दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-04 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 07 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

कमल मौत मामले में एक्शन, एक्सईएन-एई सहित तीन अधिकारियों पर गिरी गाज, किए गए निलंबित

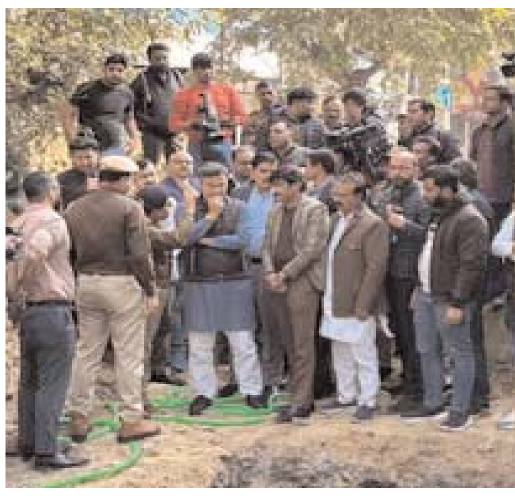

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली के जनकपुरी में जल बोर्ड के गड्ढे में गिरकर कमल चंदानी (25 वर्ष) की मौत हो गई। इस पूरे मामले में अब बड़ी कार्रवाई सामने आई है। इस मामले में एक्शन लेते हुए एक्सईएन, एई और जेई को निलंबित कर दिया गया है।

यह है पूरा मामला

कमल गुरुवार की रात करीब 10 बजे ऑफिस से घर लौट रहा था। परिवार पूरी रात थानों के चक्कर लगाता रहा। परिवार ने जल बोर्ड की लापरवाही की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस घटना ने नोएडा में युवराज के साथ हुई घटना को याद दिला दिया।

इस मामले में मृतक के भाई ने पुलिस पर आरोप लगाया कि पुलिस ने हमको इस इलाके में उसकी आखिरी लोकेशन बताई, लेकिन उसे ढूंढने में मदद नहीं की। हम उसे ढूंढते रहे, लेकिन वह नहीं मिला। यह घोर लापरवाही है। मेरा भाई पागल नहीं था कि वह जानबूझकर गड्ढे में गाड़ी गिरा दे। रात 1:30 बजे मैंने गड्ढे में जाकर देखा, लेकिन वह उस समय वहां नहीं था। हमने कम से कम छह पुलिस स्टेशनों का पर गए, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। सुबह जब मैंने दोबारा अपने भाई के फोन नंबर पर कॉल किया, तो पुलिस ने फोन उठाया और हमें बताया कि उसका शव गड्ढे से बरामद कर लिया गया है।

अगर पुलिस ने समय पर कार्रवाई की होती, तो मेरा भाई आज जीवित होता।

प्रवेश वर्मा के खिलाफ लगे नारे

दिल्ली के जनकपुरी में जल बोर्ड के गड्ढे में गिरकर जान गंवाने वाले कमल चंदानी (25 वर्ष) के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं हादसे का निरीक्षण करने आए मंत्री परवेश वर्मा के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगे।

पाकिस्तान की राजधानी में बड़ा धमाका, इमामबाड़े में 31 की मौत

इस्लामाबाद में जुमे की नमाज़ के दौरान आतंकी हमला, शिया मस्जिद दहली

इस्लामाबाद(ए.)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद एक बार फिर भीषण आतंकी हमले से दहल उठी। फेडरल कैपिटल के शहजाद टाउन इलाके में स्थित तरलाई इमामबाड़े (शिया मस्जिद) में जुमे की नमाज़ के दौरान हुए जोरदार धमाके में अब तक 31 लोगों की मौत की खबर है, जबकि 169 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि मृतकों और घायलों की संख्या को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धमाका इतना भीषण था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों के अंग क्षत-विक्षत हो गए।

दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश : नेटफ्लिक्स से हटाएं 'घूसखोर पंडत' की प्रचार सामग्री

नई दिल्ली,(ए.)। अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' अपने टीजर रिलीज के साथ ही विवादों में आ गई है। फिल्म के शीर्षक को लेकर ब्राह्मण समाज में नाराजगी देखी जा रही है और देश के कई राज्यों में इसकी रिलीज पर रोक लगाने की मांग उठ रही है। अब इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने अहम निर्देश देते हुए नेटफ्लिक्स समेत सभी प्लेटफॉर्म से फिल्म से जुड़ी पूरी प्रचार सामग्री हटाने को कहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने यह निर्देश अधिवक्ता विनीत जिंदल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिका में दावा किया गया कि फिल्म का शीर्षक 'घूसखोर पंडत' ब्राह्मण समुदाय की गरिमा, प्रतिष्ठा और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। याचिकाकर्ता का कहना था कि 'पंडित' शब्द का इस तरह का प्रयोग जानबूझकर अपमानजनक है और इससे एक पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप में पेश किया गया है। कोर्ट के निर्देश के बाद फिल्म से जुड़ी सभी प्रचार सामग्री, जैसे- टीजर, पोस्टर और प्रमोशनल कंटेंट को डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश दिया गया है। इस फैसले के बाद फिल्म को लेकर चल रहा विवाद और गहरा गया है।

वहीं, फिल्म के निर्देशक नीरज पांडे ने बढ़ते विवाद पर अपनी सफाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि फिल्म का उद्देश्य किसी भी समुदाय की भावनाओं को आहत करना नहीं है। उन्होंने लिखा कि 'घूसखोर पंडत' एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है और 'पंडित' शब्द का इस्तेमाल केवल एक काल्पनिक किरदार के उपनाम के तौर पर किया गया है। फिल्म की कहानी किसी जाति, धर्म या समुदाय पर टिप्पणी नहीं करती, बल्कि एक व्यक्ति के फैसलों और उसके कर्मों पर केंद्रित है।

नीरज पांडे ने आगे कहा कि एक फिल्म निर्माता के रूप में वह अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म के शीर्षक से कुछ दर्शकों को ठेस पहुंची है और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए फिलहाल सभी प्रचार सामग्री हटाने का निर्णय लिया गया है। उनका कहना है कि फिल्म को पूरी तरह देखने के बाद ही उसके संदर्भ को समझा जाना चाहिए, न कि केवल टीजर या नाम के आधार पर।

फिलहाल, 'घूसखोर पंडत' सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है, हालांकि इसकी रिलीज डेट को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। विवादों के बीच फिल्म की आगे की राह पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

कुबेर' निकला रिटायर्ड इंजीनियर, घर में मिले नोटों के ढेर और 2.5 किलो सोना; 50 करोड़ से ज्यादा की काली कमाई का पर्दाफाश

विशाखापट्टनम (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश एंटी-करप्शन ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सरकारी खजाने में सेंध लगाने वाले एक बड़े मछली को जाल में फंसाया है। पंचायत राज विभाग के हाल ही में सेवानिवृत्त हुए सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर कल्लेपल्ली श्रीनिवासा राव के ठिकानों पर छापेमारी कर एसीबी ने 50 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति का खुलासा किया है। राव का रसूख और भ्रष्टाचार का पैमाना इतना बड़ा था कि रिटायरमेंट के कुछ ही दिनों बाद उन पर यह गाज गिरी है। वह 31 दिसंबर 2025 को ही अपने पद से रिटायर हुए थे।

तीन शहरों में एक साथ एसीबी का धावा

एसीबी को श्रीनिवासा राव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की पुख्ता खुफिया जानकारी मिली थी। इसी आधार पर जांच एजेंसी ने विशाखापट्टनम, सालुरु और हैदराबाद में राव, उनके परिजनों और सहयोगियों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी (मल्टी-लोकेशन रेड) की। 1990 से विभाग में कार्यरत राव पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए आय के ज्ञात स्रोतों से कई गुना ज्यादा संपत्ति जमा कर ली थी। एसीबी की टीमों ने जब छापा मारा तो घर के अंदर का नजारा देख अधिकारी भी दंग रह गए।

नकद, सोना और जमीनों के दस्तावेज देख उड़े होश

सर्च ऑपरेशन के दौरान एसीबी अधिकारियों को भारी मात्रा में नकदी और कीमती धातुओं का जखीरा मिला है। अधिकारियों ने मौके से 61.87 लाख रुपये की नकद राशि जब्त की है। इसके अलावा घर से लगभग 2.5 किलो सोना और 20.3 किलो चांदी बरामद हुई है, जिसकी बाजार में कीमत करोड़ों में है।

अचल संपत्ति के दस्तावेजों की जांच में तीन हाउस प्लॉट और दो महंगे आवासीय फ्लैट्स का पता चला है। इसके साथ ही सालुरु में राव की बेटी के नाम पर खरीदी गई 18.57 सेंट कृषि भूमि के कागजात भी मिले हैं। एसीबी को पांच बैंक लॉकर भी मिले हैं, जिन्हें अभी खोला जाना बाकी है।

एयर इंडिया के 70 प्रतिशत विमान 'बीमार', 10 में से 7 जहाजों में मिली तकनीकी खामी; सरकार ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (आरएनएस)। हवाई सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। केंद्र सरकार ने संसद में आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया है कि देश की प्रमुख एयरलाइन एयर इंडिया के विमानों की तकनीकी स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। आंकड़ों के मुताबिक, एयरलाइन के हर 10 में से 7 विमानों में कोई न कोई तकनीकी खराबी पाई गई है। इसका सीधा मतलब है कि एयर इंडिया के बेड़े के लगभग 70 फीसदी विमान तकनीकी रूप से 'बीमार' हैं। सरकार ने बताया कि जनवरी 2025 से लेकर इस साल 3 फरवरी तक अलग-अलग एयरलाइंस के कुल 377 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने की पुष्टि हुई है।

भारत-नेपाल सीमा पर खुशियां मातम में बदलीं, बारात की बस 150 मीटर गहरी खाई में गिरी, 13 लोगों की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल के बैतडी जिले में गुरुवार की रात एक हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसने शादी की खुशियों को चीख-पुकार में बदल दिया। बैतडी से बजांग जा रही बरातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस भीषण दुर्घटना में 13 बरातियों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 34 लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई लोगों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जिन्हें इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।

दुल्हन लेकर लौट रही थी बस, 150 मीटर नीचे जा गिरी

हादसा गुरुवार की रात उस वक्त हुआ जब बस बैतडी के पुरचुंणी नगरपालिका-7 स्थित भवने गांव से दुल्हन लेकर विदा हुई थी और बजांग के सुनकुडा जा रही थी। रास्ते में पुरचूंणी के बड़गांव मोड़ के पास एक तीखी चढ़ाई और घुमाव पर बस का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते बस सड़क से फिसलकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। रात का समय होने के कारण वहां अफरा-तफरी मच गई। जिला प्रहरी कार्यालय बैतडी के प्रवक्ता प्रहरी निरीक्षक बलदेव बडू ने बताया

कि सूचना मिलते ही नेपाल एपीएफ, पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों ने अंधेरे में ही रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और घायलों को खाई से बाहर निकाला।

ओवरलोडिंग बनी काल, चढ़ाई नहीं चढ़ पाई बस

प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह बस में क्षमता से अधिक सवारियों का होना माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि बस में बरातियों की संख्या काफी ज्यादा थी। बड़गांव मोड़ के पास खड़ी चढ़ाई पर लोड ज्यादा होने के कारण बस ऊपर नहीं चढ़ पाई और पीछे की तरफ लुढ़कते हुए बेकाबू होकर खाई में गिर गई। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 6 लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी, जबकि 5 लोगों ने डडेलधुरा अस्पताल और 2 ने कोटिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

दिल्ली दंगा मामला : आरोपियों की जमानत पर नोटिस जारी, पुलिस से मांगी स्थिति रिपोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। 2020 में हुए दिल्ली दंगों से जुड़े मामलों में दिल्ली हाई कोर्ट और राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान अलग-अलग मामलों में महत्वपूर्ण आदेश पारित किए गए हैं, जिनसे दंगों की कथित साजिश और पुलिस कार्रवाई से जुड़े मामलों पर नया मोड़ आया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2020 दिल्ली दंगों की कथित बड़ी साजिश से जुड़े मामले में आरोपी सामिल मलिक, अतहर खान और मोहसिन की जमानत याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। साथ ही, हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वह इन आरोपियों की भूमिका को लेकर विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जमानत याचिकाओं पर विचार से पहले आरोपियों की भूमिका, जांच की प्रगति और उपलब्ध सबूतों की स्थिति को समझना जरूरी है। इस मामले की अगली सुनवाई 3 मार्च को निर्धारित की गई है। वहीं, राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान जबरन राष्ट्रगान गाने से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस के दो अधिकारियों को समन जारी किया है। यह मामला फैजान नामक युवक से जुड़ा है, जिस पर आरोप है कि दंगों के दौरान उसे कथित तौर पर पुलिसकर्मियों ने पीटा और जबरन राष्ट्रगान गाने के लिए मजबूर किया। इस प्रकरण में अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया है। कोर्ट ने आरोपियों को 24 फरवरी को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है।

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा कि सीबीआई ने इस मामले में सभी संबंधित सबूत जुटाने के बाद 5 जनवरी को चार्जशीट दाखिल की थी। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और सबूत अपराधों के घटित होने का संज्ञान लेने के लिए पर्याप्त हैं।

महिला की मर्जी के बिना उसे मां बनने के लिए मजबूर नहीं कर सकती अदालत, एससी ने दी गर्भपात की इजाजत

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि कोई भी अदालत किसी महिला को, खासकर नाबालिग को, उसकी मर्जी के बिना गर्भावस्था को जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। यह टिप्पणी उस मामले में आई है, जिसमें अदालत ने 30 हफ्ते की गर्भवती को गर्भपात की इजाजत दी।

जानकारी के अनुसार, लड़की जब 17 साल की थी, तब वह एक संबंध में गर्भवती हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में यह प्रेग्नेंसी अवैध लग सकती है, क्योंकि उस समय लड़की बालिग नहीं थी। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि इस मामले में यह जरूरी नहीं है कि वह संबंध लड़की की मर्जी का था या यौन शोषण का मामला था। अहम यह है कि लड़की खुद इस बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती। अदालत ने यह भी कहा कि प्रजनन से जुड़े मामलों में महिला का निर्णय सबसे अहम माना जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि इस मामले में फैसला लेना आसान नहीं था। अदालत ने सवाल उठाया कि आखिर अजन्मे बच्चे और उसे जन्म देने वाली महिला में किसके अधिकार को प्राथमिकता दी जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि लड़की की मर्जी के बिना उसे अपनी गर्भावस्था जारी रखने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

जयपुर में राजस्थान हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी : खाली कराया गया परिसर, सुनवाई स्थगित सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ को आज एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश मिला है। इस सूचना के बाद प्रशासनिक गलियारों और न्यायिक परिसर में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया है। धमकी मिलने के तुरंत बाद हाईकोर्ट प्रशासन ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं- परिसर खाली कराया- कोर्ट रूम, जजों के चैम्बर्स और एडवोकेट चैम्बर्स से सभी अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और पक्षकारों को बाहर निकाल दिया गया है।

सुनवाई स्थगित: सुरक्षा कारणों से फिलहाल सभी अदालती कार्यवाही और मामलों की सुनवाई को स्थगित कर दिया गया है।

देश के इस इलाके में बर्ड फ्लू की दस्तक, सैकड़ों कौवों की मौत से हड़कंप; HzNv वायरस की पुष्टि के बाद अलर्ट जारी

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में बर्ड फ्लू के खतरे ने दस्तक दे दी है। शहर में अचानक सैकड़ों कौवों के मृत पाए जाने से हड़कंप मच गया है। इन पक्षियों की मौत के बाद जब इनके सैंपल प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए, तो रिपोर्ट में ॥5ह1 वायरस की पुष्टि हुई है। टेस्ट में यह साफ हो गया है कि कौवों की मौत की मुख्य वजह बर्ड फ्लू ही है। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद प्रशासन ने तुरंत प्रभाव से पूरे शहर में अलर्ट जारी कर दिया है।

शवों को जलाने या दफनाने के कड़े आदेश

स्वास्थ्य अधिकारियों ने संक्रमण को और फैलने से रोकने के लिए कमर कस ली है। अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि बायोसिक्योरिटी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाए। इसके तहत मरे हुए कौवों और पोल्ट्री के शवों को खुले में छोड़ने के बजाय या तो जला दिया जाए या फिर गहरे गड्ढे में दफना दिया जाए। प्रशासन का कहना है कि वायरस को खत्म करने के लिए शवों का सही निस्तारण बेहद जरूरी है।

‘घूसखोर पंडत’ पर भोपाल में प्रदर्शन

भोपाल (आरएनएस)। नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही फिल्म ‘घूसखोर पंडत’ को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक दिन पहले हुए विरोध के बाद आज फिर भोपाल में ब्राह्मण समाज ने प्रदर्शन किया। एमपी नगर में हुए प्रदर्शन के दौरान फिल्म के टाइटल, डायलॉग, निर्देशन और कलाकारों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। संगठन ने कहा कि वह किसी भी तरह की सफाई स्वीकार नहीं करेगा और फिल्म को रिलीज नहीं होने देगा।

प्रदर्शन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र मिश्रा ने कहा कि फिल्मों को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन इस फिल्म के जरिए एक पूरे समाज को अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ओटीटी जैसे बड़े प्लेटफॉर्म ने बिना जिम्मेदारी के इस तरह का कंटेंट लॉन्च किया है और अब इसे किसी भी हाल में चलने नहीं दिया जाएगा।

पुष्पेंद्र मिश्रा ने मंच से सरकार और व्यवस्था पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एफआईआर की मांग के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर सोए हुए हैं । साथ ही यूजीसी नियमों और सवर्ण समाज से जुड़े संदर्भों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस तरह की नीतियां समाज को बांटने का काम कर रही हैं।

प्रदर्शन के दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों के खिलाफ नारे लगाए गए। वहीं अभिनेता मनोज बाजपेयी की तस्वीर को जूते से रगड़कर प्रतीकात्मक विरोध किया गया, जिससे मौके पर माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया।

इधर, बढ़ते विरोध के बीच फिल्म के प्रोड्यूसर और डॉयरेक्टर नीरज पांडे ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए फिल्म को पूरी तरह काल्पनिक बताया है। नीरज पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कहा कि यह एक फिक्शनल पुलिस ड्रामा है और इसमें ‘पंडत’ शब्द का इस्तेमाल किसी जाति या समुदाय के लिए नहीं, बल्कि एक काल्पनिक किरदार के उपनाम के तौर पर किया गया है।

नीरज पांडे ने यह भी कहा कि फिल्म के टाइटल से कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, जिनका वे सम्मान करते हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए फिल्म का टीजर और सभी प्रमोशनल कंटेंट नेटफ्लिक्स इंडिया के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूट्यूब से हटा दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान की उपस्थिति में आज सीहोर में होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में सीहोर जिले के अमलाहा स्थित खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र में 7 फरवरी को दलहन आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय मिशन अंतर्गत राष्ट्रीय परामर्श एवं रणनीति सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में उत्पादन एवं उत्पादकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श होगा। दलहन क्षेत्र की मूल संवेदनाओं, वर्तमान चुनौतियों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। देश के प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारीगण, दलहन अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक, सरकारी बीज उत्पादक संस्थाएँ, दाल उद्योग से संबंधित प्रतिनिधि एवं अन्य सहयोगी एजेंसियाँ भाग लेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री चौहान द्वारा खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र की अत्याधुनिक सुविधाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा।

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि सम्मेलन में दलहन उत्पादन को सुदृढ़ करने, किसानों की आय बढ़ाने तथा उन्नत तकनीकों के माध्यम से उत्पादकता सुधार पर अपने विचार साझा किये जायेंगे। यह सम्मेलन दलहन क्षेत्र में नीति निर्धारण और अनुसंधान में मील का पत्थर साबित होगा। सम्मेलन का उद्देश्य किसानों तक नवीन शोध, गुणवत्तापूर्ण बीज, आधुनिक खेती पद्धतियों तथा बाज़ार से जुड़ी जानकारी पहुँचाना है, जिससे दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके। साथ ही विभिन्न राज्यों के अनुभवों के आदान-प्रदान से राष्ट्रीय स्तर पर दलहन विकास की दिशा में ठोस रणनीति तैयार की जाएगी।

वन्य जीव केन्द्र में विजिटर्स को मिले इंटरनेशनल एक्सपीरियंसः मुख्यमंत्री

उज्जैन में 500 हैक्टेयर क्षेत्र में वन्य जीव केन्द्र सह रेस्क्यू सेंटर के निर्माण की तैयारी तेज

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है? कि मध्यप्रदेश में पर्यटन विशेषकर वन्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार पुरजोर कोशिश कर रही है। प्रदेश में उज्जैन और जबलपुर में वन्य जीव केन्द्र सह रेस्क्यू सेंटर निर्मित किए जा रहे हैं। दोनों ही शहरों में इन सेंटर्स के निर्माण के लिए कंसल्टेंट भी नियुक्त कर दिए गए हैं। बहुत जल्द प्रदेश में 2 नए वन्य जीव केन्द्र बनेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उज्जैन में वन्य जीव केन्द्र सह रेस्क्यू सेंटर के निर्माण के संबंध में नियुक्त कन्सल्टेंट फर्म के पदाधिकारियों के साथ बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में वन्य जीव केन्द्र के लिए नियुक्त कंसल्टेंट फर्म से कहा कि वे उज्जैन में वनतारा की तर्ज पर इस तरह का जंगल चिड़ियाघर सफारी (वाईल्ड लाईफ सेंटर कम इंडियन ज़ू कम रेस्क्यू सेंटर) तैयार करें, जो यहां आने वाले विजिटर्स को पूरी दुनिया के अलग-अलग जंगलों का एक ही जगह पर फुल एक्सपीरियंस दे। उन्होंने कहा कि इस वाईल्ड लाईफ सेंटर को करीब 500 हैक्टेयर क्षेत्र में तैयार किया जाए। उज्जैन में 50 हैक्टेयर रकबे में पहले से तैयार ईको टूरिज्म पार्क भी इसी वन्य जीव केन्द्र में शामिल कर लिया जाए।

भोपाल निगम कमिश्नर पर अवमानना कार्रवाई पर हाईकोर्ट की रोक

जबलपुर/भोपाल/जबलपुर (आरएनएस)। भोपाल नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें उन्हें कंटेम्प्ट ऑफकोर्ट का दोषी माना गया था।

दरअसल, हाईकोर्ट में जस्टिस विशाल मिश्रा की बेंच ने भोपाल नगर निगम को अवैध निर्माण गिराने के मामले में दोषी ठहराया था। कोर्ट ने कहा कि नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई गाइडलाइन का पालन नहीं किया, जो कानून के राज के खिलाफ माना गया।

यह आदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने मार्लिन बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड बनाम नगर निगम भोपाल मामले में गुरुवार को दिया था। सिंगल बेंच ने आयुक्त संस्कृति जैन को अदालत की अवमानना का दोषी ठहराते हुए 6 फरवरी 2026 को सजा सुनाने के लिए सुनवाई तय की थी।

भोपाल नगर निगम ने सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए डिवीजन बेंच में मामला उठाया। शुक्रवार को हुई सुनवाई में बेंच ने पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा और अगली सुनवाई 18 फरवरी को तय की।

डबल बेंच ने प्रथम दृष्टया यह अहम तथ्य स्वीकार किया कि जिन सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का हवाला देकर एकल पीठ द्वारा अवमानना का आदेश पारित किया गया था, वे ‘टार्गेटेड क्रिमिनल मामलों’ से संबंधित हैं और किसी बिल्डर या डेवलपर से जुड़े प्रशासनिक मामलों पर लागू नहीं होते। सुनवाई के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि बिल्डर से जुड़े मामलों में कार्रवाई नगर निगम अधिनियम एवं नगर पालिका अधिनियम, 1956 के तहत ही की जाती है।

इसके साथ ही डबल बेंच के समक्ष यह तथ्य भी रखा गया कि सुप्रीम कोर्ट के जिन निर्देशों का उल्लेख एकल पीठ के आदेश में किया गया है, वे इस प्रकरण में लागू नहीं होते और ऐसे निर्देशों से जुड़ी अवमानना पर निर्णय लेना एकल पीठ के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने एकल पीठ द्वारा पारित अवमानना आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है।

डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ऑफइंडिया सुयश मोहन गुरु ने बताया कि शुक्रवार को चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच में भोपाल कमिश्नर संस्कृति जैन के मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने उनके खिलाफ होने वाली कार्यवाही पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि सिंगल बेंच का आदेश, जिसमें कहा गया था कि भोपाल कमिश्नर ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया, उस पर कार्रवाई करने का अधिकार केवल सुप्रीम कोर्ट के पास है।

इससे पहले हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा था- अवैध निर्माण को लेकर सिविल कोर्ट में केस चल रहा था। इसके बावजूद नगर निगम ने कोर्ट से अनुमति लिए बिना तोड़फोड़ कर दी।

दरअसल, भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित नादिर कॉलोनी में मार्लिन बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड की संपत्ति के एक हिस्से को अवैध बताते हुए नगर निगम ने तोड़ने का नोटिस दिया था। कंपनी ने इसको सिविल कोर्ट में चुनौती दी थी। सुनवाई पूरी हुए बिना ही नगर निगम ने इस हिस्से को ढहा दिया।

मारपीट का बदला लेने के लिए चार छात्रों ने युवक को अगवा किया, पीटा

भोपाल (आरएनएस)। एमपी नगर इलाके में गुरुवार शाम मारपीट का बदला लेने के लिए चार छात्रों ने मिलकर एक युवक को स्कार्पियो कार से अगवा कर लिया। आरोपियों ने युवक के साथ जमकर मारपीट की। इतना ही नहीं जब वह युवक को लेकर लौट रहे थे, तभी वह प्रगति पेट्रोल पंप के पास चलती गाड़ी से कूद गया।

इसके बाद पीड़ित सीधा थाने पहुंचा और एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के बाद कोर्ट में पेश किया गया है।

एएसआई दिनेश खजूरिया के मुताबिक 23 वर्षीय अभिषेक पटेल यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। जबकि आरोपी सूर्यांश गौतम, प्रियांश पांडे, आदित्य और साहिल भी छात्र हैं। दोनों पक्ष हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं। अभी कुछ दिन पहले आदित्य ने आरोपी सूर्यांश के साथ मारपीट कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने केस भी दर्ज किया था। इस मारपीट का बदला लेने के लिए सूर्यांश अपने तीनों साथियों के साथ स्कार्पियों से चाय सुट्टा बार पर पहुंचा और अभिषेक को अगवा कर लिया।

लोडेड कट्टा सहित बदमाश गिरफ्तार

भोपाल (आरएनएस)। टीटी नगर पुलिस ने गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात लोडेड कट्टा लेकर घूम रहे बदमाश को दबोच लिया। उसके पास से कट्टा व कारतूस बरामद कर लिए। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। आरोपी अड़ीबाजी के मामले में फरार चल रहा था।

हेड कांस्टेबल रविंद्र पाल के मुताबिक रात में मुखबिर से सूचना मिली थी कि अटल पथ के पास एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से लोडेड कट्टा मिला।

पुलिस पूछताछ में आरोपी युवक ने अपना नाम संजय अहिरवार उर्फ सरकार बताया। वह निशातपुरा का रहने वाला है, और अड़ीबाजी के मामले में फरार चल रहा है। इतना ही नहीं उसके खिलाफस्थाई वारंट भी हैं। जिसमें वह फरार चल रहा था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत रत्न लता मंगेशकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत रत्न, स्वर कोकिला, मध्यप्रदेश की बेटी, लता मंगेशकर की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय लता जी की अद्वितीय संगीत साधना ने फिल्म जगत को समृद्ध किया, साथ ही उन्होंने विश्व में असंख्य प्रशंसकों को गीत-संगीत से आनंदित किया। उन्होंने कहा कि लता जी अपनी मधुर आवाज से हमारे बीच सदैव उपस्थित रहेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कवि प्रदीप की जयंती पर किया स्मरण

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मोहन ने मध्यप्रदेश के रत्न, कवि प्रदीप जी की जयंती पर उनका स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय प्रदीप जी ने देश भक्ति गीतों से नव ऊर्जा का संचार किया। उनकी कृतियों के हर शब्द राष्ट्र सेवा की प्रेरणा और समर्पण के संकल्प को मजबूत करते हैं।

लेसन प्लान विद्यार्थियों के साथ पूर्व से ही साझा करें

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जबलपुर के छात्र आयुष के प्रश्न पर दिया जवाब

भोपाल(निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को "परीक्षा पे चर्चा" कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद कर परीक्षा से जुड़े तनाव और शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उत्कृष्ट विद्यालय, जबलपुर के छात्र आयुष तिवारी ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से प्रश्न किया कि कई बार वे शिक्षकों की पढ़ाने की गति से तालमेल नहीं बिठा पाते हैं, उसे कैसे मैच करें? इस पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विद्यार्थियों को समझाते हुए शिक्षकों से भी आग्रह किया कि अपने अध्यापन की स्पीड विद्यार्थियों के सीखने की गति के अनुरूप रखें।

लेसन प्लान विद्यार्थियों के साथ पूर्व से ही साझा करें। विद्यार्थी वह चेप्टर पहले से पढें, अध्ययन करें जो शिक्षक भविष्य में कक्षा में पढाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की गति से सामंजस्य बैठाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि पहले मन को जोतो, फिर मन को जोड़ो। उसके बाद पढाई के विषय शुरू करो। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मन को जोतने का अर्थ है, विषय की तमाम जानकारियां जुटाना और जोड़ने का अर्थ है, एकाग्रता बनाए रखना। इससे आपकी समझ मजबूत होगी और आप एक कदम आगे चलेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विद्यार्थियों के साथ आयोजित ‘परीक्षा पे चर्चा’ कार्यक्रम में तनावमुक्त जीवन, समय प्रबंधन, अनुशासन, जीवन कौशल एवं व्यवसायिक विकास के महत्वपूर्ण मंत्र दिए। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

बिजली कंपनी के वॉट्सएप चैटबॉट से बिल डाउनलोड और बिल भुगतान की सुविधा

उपभोक्ता सुविधा का लाभ उठाएं

भोपाल (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि वॉट्सएप चैटबॉट से बिल डाउनलोड एवं बिल भुगतान सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके लिए उपभोक्ता को कहीं भी जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि वे अपने मोबाइल के माध्यम से बिजली बिल डाउनलोड एवं भुगतान सहित अन्य 10 सेवाओं का फायदा उठा सकते हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि चैटबॉट नंबर 0755 2551222 पर ‘Hi‘ (हाय) लिखते हैं तो तुरंत आपके सामने क्रमश: 10 अलग-अलग सुविधाओं की सूची आ जाएगी।

एमपी ट्रांसको में स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के आष्टा 132 केवी सबस्टेशन, सतवास में क्लस्टर (कन्नौद, खातेगांव एवं सतवास उपकेंद्र) के अंतर्गत कार्यरत सभी नियमित, संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर कार्यपालन अभियंता योगेन्द्र चहार के विशेष प्रयासों से आयोजित किया गया। शिविर में सतवास के मेडिकल ऑफिसर डॉ. राहुल ने कर्मचारियों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) सहित प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की। उन्होंने सीपीआर देने की परिस्थितियों, उसकी सही विधि एवं इसके व्यावहारिक महत्व को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया।

स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़ी इस उपयोगी जानकारी से सभी उपस्थित कर्मचारी लाभान्वित हुए। एमपी ट्रांसको की सतत मुहिम के अंतर्गत आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए सक्षम बनाना।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में एनसीसी के मप्र-छग निदेशालय के मुख्यमंत्री बैनर कार्यक्रम में विज़िटर्स बुक में शुभकामना संदेश नोट किया।

किन्नरों पर सरेराह धारदार हथियार से हमला

भोपाल (आरएनएस)। कोहेफिज़ा इलाके में किन्नरों के ऑटो को तीन बदमाशों ने सरेराह रोक लिया। आरोपियों ने चाकू मारकर एक किन्नर को घायल किया, जबकि अन्य दो के साथ हाथ और मुक्कों से मारपीट की। किन्नरों ने बदमाशों पर सोने की एक चेन झपटने का भी आरोप लगाया है।

घटना शुक्रवार दोपहर की है। किन्नरों ने हमला कराने का आरोप नकली किन्नर गिरोह पर लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक किन्नर पल्लवी पाठक मंगलवारा में रहती है। वह गुरू सुरैया नायक गुट की किन्नर हैं। पल्लवी का आरोप है कि ऑटो में सवार होकर मंगलवार से बैरागढ़ की ओर जा रहे थे। तभी बदमाश शाहरुख ईदगाह और उसके दो साथियों ने फिल्मी स्टाइल में लालघाटी ब्रिज पर ऑटो रोक लिया।

आरोपियों ने मारपीट करना शुरू कर दिया। तीनों हथियारों से लेस थे। बदमाशों ने पल्लवी की सोने की चेन को गले से झपटा। पल्लवी ने विरोध किया तो शाहरुख ने उसके पांव में धारदार हथियार से वार किया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

पल्लवी का आरोप है कि काजल ठाकुर नकली किन्नर है। वह किन्नरों के एक अन्य गुट की सरगना बताती है। काजल असली किन्नरों पर अड़ीबाजी कराती है। इतना ही नहीं उनके साथ कई बार लूटपाट और मारपीट भी करा चुकी है। शाहरुख काजल का पाला हुआ बदमाश है। आए दिन किन्नरों के साथ मारपीट, लूटपाट की वारदातें काजल और किन्नर मुस्कान मिर्जा के इशारे पर करते हैं।

पल्ली पाठक गुट ने मामले में काजल और मुस्कान को भी केस में आरोपी बनाए जाने की मांग की है। पुलिस ने घायल किन्नर को मेडिकल के लिए भेजा है। कोहेफिज़ा थाने पर किन्नरों पर हमले की खबर के बाद बड़ी तादाद में किन्नर एकत्र हो गए हैं।

रायसेन शादी में हर्ष फायरिंग बनी जानलेवा, भोपाल के चार युवक घायल; दो की हालत गंभीर

रायसेन (ए.)। रायसेन जिले में गुरुवार रात एक शादी समारोह के दौरान की गई हर्ष फायरिंग ने खुशी के माहौल को अफरा-तफरी में बदल दिया। सागर रोड स्थित एक गार्डन के बाहर हुई इस घटना में भोपाल के चार युवक घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना रात करीब 10:30 बजे उस समय हुई, जब बरात गार्डन के मुख्य प्रवेश द्वार पर पहुंची और स्वागत की तैयारियां चल रही थीं।

पुलिस के अनुसार, रायसेन निवासी हेमलता कन्हैयालाल पीपरोलिया की बेटी पल्लवी का विवाह भोपाल निवासी मोहित के साथ हो रहा था। बरात के स्वागत के दौरान दूल्हे के एक दोस्त ने खुशी में बंदूक से फायर करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि बंदूक नीचे की ओर झुकी हुई थी, तभी अचानक ट्रिगर दब गया और गोली चल गई। फायरिंग होते ही वहां मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और शादी का माहौल तनावपूर्ण हो गया। जांच में सामने आया है कि हर्ष फायरिंग के लिए साउंड कारतूस की जगह असली गोली का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार 12 बोर की बंदूक में दो कारतूस डाले गए थे। एक गोली ऊपर की ओर चली गई, जबकि दूसरी के दौरान बंदूक की नाल नीचे हो गई और छर्रे आसपास मौजूद लोगों को जा लगे। उस समय कुछ युवक फोटोशूट कर रहे थे और कुछ नाच रहे थे, तभी चार युवकों को छर्रे लगने से चोटें आईं। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

बेटी से दरिंदगी : शिवपुरी शर्मसार; शराब के नशे में हैवान बना पिता, अपनी नाबालिग बेटी से किया दुष्कर्म

शिवपुरी (ए.)। शिवपुरी जिले में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक पिता पर अपनी ही नाबालिग बेटी से दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। घटना तेंदुआ थाना क्षेत्र के एक गांव की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार नाबालिग की मां उस समय मजदूरी के लिए बाहर गई हुई थी। इसी दौरान पिता ने शराब के नशे में अपनी 10 वर्षीय बेटी के साथ गलत काम किया। उस समय बच्ची घर में अकेली थी। घटना के अगले दिन बच्ची अपनी बुआ के साथ बैतूल में आयोजित एक सत्संग में चली गई थी। इसी बीच माता-पिता के बीच विवाद हो गया और महिला अपने मायके चली गई। बाद में जब बच्ची वापस लौटी, तो बुआ उसे उसकी मां के पास छोड़ गई। इसके बाद महिला अपनी बेटी के साथ तेंदुआ थाना पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया।

चिल्लाई तो दबा दिया गला

पीड़ित नाबालिग बच्ची ने पुलिस को बताया है कि उसका पिता शराब के नशे में था। जब घर पर अकेली थी। इस दौरान उसका पिता आ गया और गंदी हरकत करने लगा। कुछ देर तक वह समझ नहीं पाई, लेकिन जब उसे एहसास हुआ तो उसके बाद उसने इसका विरोध किया, तो पिता ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के समय खूब चिल्लाई थी, लेकिन उसका गला दबा लिया और कहा अगर किसी को बताया तो यहीं जान से मार डालूंगा।

बड़वानी में भीषण हादसा, पिकअप-बाइक आमने-सामने भिड़ीं, महिला समेत तीन ने तोड़ा दम, 6 घायल

बडवानी(ए.)। बड़वानी जिले में मुंबई-आगरा मार्ग पर बाइक और पिकअप की आमने-सामने टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। बाइक सवार दो युवक और पिकअप में सवार एक महिला की जान गई। दो महिलाएं गंभीर घायल हैं, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। गुरुवार देर रात बड़वानी से गुजर रहे मुंबई-आगरा मार्ग पर ग्राम बरूफाटक और ठीकरी के बीच एक बाइक और पिकअप वाहन आमने-सामने टकरा गए। ठीकरी थाना पुलिस के मुताबिक हादसा घोलनिया फाटे (गोलानिया फाटा कट पॉइंट, एबी रोड) के पास हुआ।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से 33वीं मौत, कई दिन से बीमार बुजुर्ग ने दम तोड़ा

इंदौर (ए.)। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से लगातार मौतें हो रही हैं। दूषित पानी की सप्लाई के कारण डायरिया होने का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने बस्ती में गंभीर रूप से बीमार लोगों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया था। उन्हीं में से एक 70 वर्षीय अलगूराम यादव की मौत हो गई। वे एक माह से अस्पताल में भर्ती थे और कुछ दिनों से वेंटिलेटर पर थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत आ रही थी। गुरुवार रात उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई और तड़के उनकी मौत हो गई। अलगू 9 जनवरी से अरबिंदो अस्पताल में भर्ती थे। परिजनों का कहना है कि उन्हें कोई दूसरी बीमारी नहीं थे। उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद उन्हें बस्ती के क्लिनिक में दिखाया गया था। वहां से उन्हें अरविंदो अस्पताल में रेफर किया गया था। अभी भी बस्ती के दो मरीज गंभीर रूप से बीमार है और वे अस्पताल में भर्ती है। अब तक भागीरथपुरा के चार सौ से ज्यादा मरीज अस्पताल में इलाज करा कर ठीक हो चुके है, जबकि 33 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें छह माह का मासूम आव्यान भी शामिल है। दूषित पानी से ज्यादातर महिलाओं की मौतें हुई है। ज्यादातर को डायरिया के साथ दूसरी बीमारियां भी थीं। बस्ती में हुई मौतों को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगी है और अफसरों ने डायरिया की वजह से 16 लोगों की मौत होना स्वीकारा है। अभी भी बस्ती में लोग नर्मदा लाइन का पानी भरने से डर रहे हैं, क्योंकि सप्लाई पुरानी लाइनों से ही हो रही है। बस्ती के एक हिस्से में नर्मदा लाइन बिछाई गई है।

नवविवाहिता की मौत का राज खुला, पति-सास पर दहेज प्रताड़ना का केस

इंदौर (ए.)। विजयनगर क्षेत्र में नवविवाहिता की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने जांच पूरी होने के बाद पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसीपी जांच में सामने आया कि महिला को दहेज को लेकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था और उसे आत्महत्या के लिए उकसाया गया।

नवविवाहिता ने घर में लगाई थी फांसी

कल्प कामधेनू नगर निवासी मोनिका पटेल (20) ने 2 फरवरी को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। शुरुआती जांच के बाद मामला संदिग्ध पाए जाने पर वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा गया।

एसीपी जांच में प्रताड़ना के सबूत

एसीपी पराग सैनी द्वारा की गई जांच में सामने आया कि मोनिका को शादी के बाद से लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि उसे आत्महत्या के लिए उकसाया गया। इसके आधार पर पुलिस ने पति रितेश पटेल और सास राधा पटेल को आरोपी बनाया है।

दहेज प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस

पुलिस ने पति और सास के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है और अन्य तथ्यों को भी खंगाला जा रहा है।

सिलाई के कपड़े को लेकर हुआ था विवाद

घटना के बाद पति रितेश पटेल ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि घटना के समय वह घर के बाहर था। इससे पहले सिलाई के कपड़े लाने की बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। मोनिका सिलाई का काम करती थी, जबकि रितेश रेपिडो बाइक चलाता है।

ट्रेन में शराब की तस्करी, यूपी और गुजरात के दो युवक 148 लीटर शराब व बियर के साथ गिरफ्तार

रतलाम (ए.)। चारपहिया और दुपहिया वाहनों के बाद अब शराब तस्कर ट्रेनों का भी इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया, जब रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ट्रेन संख्या 09723 जयपुर-बांद्रा स्पेशल में दो युवकों को शराब और बीयर की तस्करी करते हुए पकड़ा। दोनों के पास से करीब 148 लीटर अंग्रेजी शराब और बीयर जब्त की गई। पकड़े गए आरोपियों में एक गुजरात और दूसरा उत्तर प्रदेश का निवासी है।रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अनुसार, आरोपी 40 वर्षीय सचिन कड़िया पिता हसमुख भाई कड़िया निवासी नवा बाजार, वडोदरा (गुजरात) और 29 वर्षीय राकेश पिता ज्वाला सिंह चौरसिया निवासी मऊ (उत्तर प्रदेश) रतलाम स्टेशन से ट्रेन के जनरल कोच में तीन ट्रॉली बैग और दो अन्य बैगों में बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब के क्वार्टर और बीयर के केन लेकर वडोदरा जा रहे थे।

मऊगंज में दरिंदगी की हदें पार, 14 वर्षीय नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, जंगल में बेहोश मिली छात्रा

रीवा (ए.)। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले से इंसानियत को शर्मसार करने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात ने पूरे जिले में हड़कंप मचा दिया है। आरोप है कि दो बाइकों पर सवार चार युवकों ने छात्रा का अपहरण कर उसे नशीला पदार्थ पिलाया और जंगल में ले जाकर हैवानियत को अंजाम दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाबालिग छात्रा गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे अपनी सहेली के साथ आठवीं कक्षा की प्री-बोर्ड परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में बाइक सवार चार युवकों ने दोनों छात्राओं को रोका। इसके बाद सहेली को मौके पर छोड़ दिया गया, जबकि नाबालिग छात्रा को जबरन अपने साथ ले गए। आरोपियों ने छात्रा को नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश किया, जिसके बाद उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के बाद छात्रा जंगल में बेहोशी की हालत में मिली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा को मऊगंज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण किया जा रहा है। फिलहाल नशे की हालत में होने के कारण गुरुवार को छात्रा के बयान नहीं हो पाए लेकिन आज स्थिति सामान्य हुई तो पूछताछ की जा रही है।

मामले में मऊगंज थाना पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट और सामूहिक दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश तेजी से जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

व्यापार समाचार

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस पर बुलिश मॉर्गन स्टेनली; दिया 1,133 रुपए का टारगेट प्राइस

मुंबई (ए.) । ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर की कवरेज शुरू कर दी है और 'ओवरवेट' रेटिंग के साथ 1,133 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है एईएसएल को भारत में लंबी अवधि में होने वाले पावर ग्रिड में विस्तार से फायदा मिलेगा। साथ ही कहा कि अगले एक दशक में देश में 10 लाख करोड़ रुपए का ट्रांसमिशन निवेश होने की संभावना है।

कंपनी के वितरण कारोबार पर ब्रोकरेज रिपोर्ट में कहा गया कि स्मार्ट मीटरिंग पर सरकार के समर्थन, जिसमें सब्सिडी शामिल है। इससे निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी।

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने एईएसएल के मजबूत एग्जीक्यूशन रिकॉर्ड पर भी प्रकाश डाला है, जिसमें समय पर और लागत-कुशल परियोजना वितरण का हवाला दिया गया है। फर्म ने ट्रांसमिशन, वितरण और स्मार्ट मीटरिंग में कंपनी की एकीकृत उपस्थिति हासिल की है, जो इसे एक संपूर्ण ग्रिड इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में स्थापित करती है। मॉर्गन स्टेनली ने अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस को ट्रांसमिशन और वितरण में अग्रणी निजी क्षेत्र की कंपनी बताया है, जिसकी निजी क्षेत्र के ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स में लगभग 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है, मुंबई और मुंद्रा एसईजेड वितरण क्षेत्रों के माध्यम से लगभग 33 लाख उपभोक्ताओं तक पहुंच है और स्मार्ट मीटरिंग में इसकी मजबूत उपस्थिति है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025 से 2030 के बीच ईबीआईटीडीए में 21 प्रतिशत की सीएजीआर वृद्धि का अनुमान लगाया गया है और वित्त वर्ष 2030 तक ईबीआईटीडीए लगभग 2,600 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। यह वृद्धि ट्रांसमिशन परियोजनाओं की जीत, विनियमित वितरण पूंजीगत व्यय और स्मार्ट मीटरिंग ऑर्डर बुक के एग्जीक्यूशन से प्राप्त होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद
सेंसेक्स 266 अंक, निफ्टी 50 अंक उछला

मुम्बई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी दिन बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 266.47 अंक उछलकर 83,580.40 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50.90 अंक बढ़कर 25,693.70 पर बंद हुआ। आज एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में उछाल से बाहर ऊपर आया है। आईटीसी के शेयरों में 5 फीसदी और एचयूएल में 2.96 फीसदी की बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी कंजम्पशन, निफ्टी रियल्टी , निफ्टी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं निफ्टी आईटी , निफ्टी फार्मा , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑटो शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, टाइटन, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, टीसीएस, एशियन पेंट्स, इटरनल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और बीईएल के शेयरों को नुकसान हुआ। लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप के शेयरों में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14.40 अंक की गिरावट के साथ 59,502.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.25 अंक टूटकर 16,938.65 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले।

फीकी पड़ने लगी चांदी की चमक! मचा ग्लोबल कोहराम, हाई से 40 प्रतिशत डाउन; सोने में भी आई गिरावट

मुंबई ,(ए.)। सोने चांदी का भाव में आज फिर रिकॉर्ड गिरावट हो रही है। कल भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने चांदी के गिरावट ने कोहराम मचा दिया था, गोल्ड सिल्वर के रेट में बड़ी गिरावट ने निवेशकों को तो परेशान किया लेकिन यह गिरावट आम जनता को राहत दे रही है। अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी मार्केट कॉमेक्स पर इस सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सुबह मार्केट ओपन होते ही बड़ी गिरावट रिकॉर्ड हुई है। स्पॉट गोल्ड 4,712.90 प्रति औंस पर पहुंच गया, जो गुरुवार को 4766.80 प्रति औंस पर क्लोज हुआ था। ऐसे ही स्पॉट सिल्वर 64 प्रति औन्स पर पहुंच गई, जो कल 67.320 प्रति औंस पर क्लोज हुई थी।

गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया (MCX) पर मार्केट क्लोज होते तक सोना चांदी की कीमतों में मामूली तेजी रिकॉर्ड हुई। सोने का भाव 0.12% की तेजी के बाद 1,52,260 रुपये प्रति दस ग्राम पर क्लोज हुआ। वहीं चांदी का भाव 2,46,452

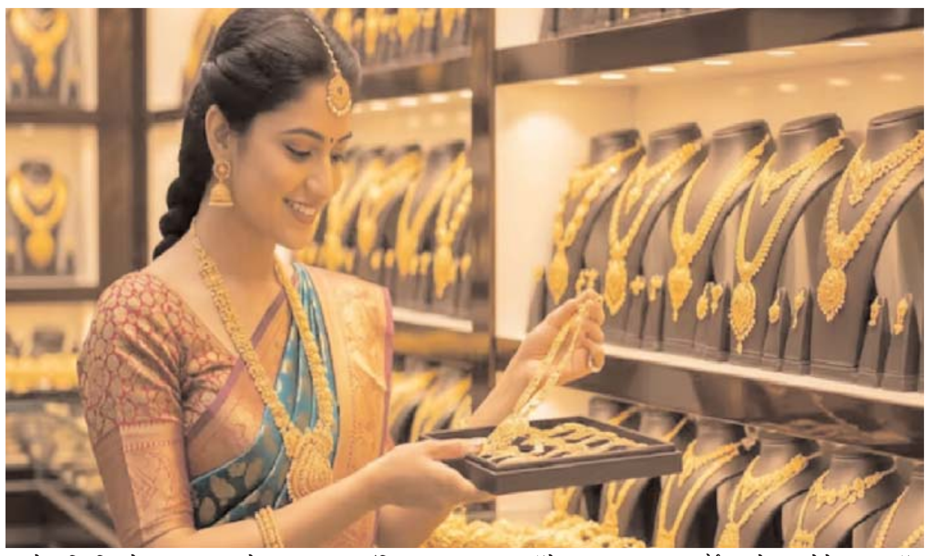

रुपये प्रति किलो ग्राम पर क्लोज हुआ। हालांकि कल दोनों ही धातुओं की कीमतें काफी नीचे आ गई थी। कॉमेक्स पर आज मार्केट ओपन होने पर स्पॉट गोल्ड 4,712.90 प्रति औंस और स्पॉट सिल्वर 64 प्रति औंस पर पहुंच गई थी, लेकिन कुछ देर बार ही कीमतों में मामूली सुधार दिख रहा है। जिसके बाद अभी गोल्ड रेट 4,755.40 प्रति औंस और सिल्वर रेट 68.840 प्रति औंस पर आ गए।

सोने चांदी की कीमतों में आई इस गिरावट से निवेशकों की धड़कने तो जरूर तेज हो रही है लेकिन आम जनता जो काफी समय से इस गिरावट का इंतजार कर रही है उन्हें बड़ी राहत मिली। क्योंकि शादियों का सीजन शुरू हो चुका है। ऐसे में सोने चांदी की जमकर खरीदारी की जाती है। भारत में केवल शादियों के समय ही नहीं बल्कि बच्चों के जन्मदिन से लेकर उनके मुंडन और ऐसे ही अन्य कई तीज त्योहार पर भी सोना चांदी खरीदने की परंपरा है। लेकिन जब से सोने चांदी के कीमतें लाखों में पहुंच गई है तब से आम जनता ने खरीदारी थोड़ी कम कर दी है खासकर मिडिल क्लास परिवारों ने। अब जब कीमती कम हो रही है तो यह खरीदारी थोड़ी बढ़ सकती है जिससे छोटे दुकानदारों को भी राहत मिलेगी।

साइबर फ्रॉड पर बड़ी कार्रवाई 39.43 लाख मोबाइल कनेक्शन बंद, 2.27 लाख हैंडसेट ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली (ए.)। साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देशभर में 39.43 लाख मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए हैं। इसके अलावा 2.27 लाख मोबाइल हैंडसेट और 1.31 लाख एसएमएस टेम्पलेट्स को भी ब्लैकलिस्ट किया गया है।

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने गुरुवार को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग ने डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) की स्थापना की है, जिससे साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी को रोका जा सके।

मंत्री ने बताया कि दूरसंचार विभाग की 'संचार साथी' पहल वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से आम नागरिकों के लिए उपलब्ध है। इसके तहत 'चक्षु' सुविधा के जरिए नागरिक संदिग्ध कॉल, मैसेज या अन्य धोखाधड़ी से जुड़े संचार की रिपोर्ट कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि संचार साथी का उद्देश्य ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग को बढ़ावा देना है, जहां धोखाधड़ी की कोशिश तो की गई हो लेकिन वास्तविक नुकसान नहीं हुआ हो।

10 लाख का इंश्योरेंस ड्राइवर्स को देगी भारत टैक्सी साथ में मिलेगा तगड़ी कमाई का मौका

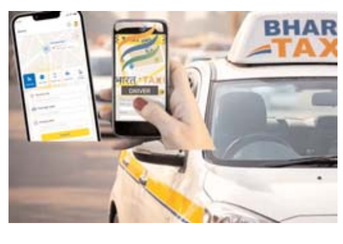

मुंबई (ए.) । केंद्रीय गृह और सहकारी मंत्री अमित शाह गुरुवार को भारत टैक्स ऐप को लॉन्च करेंगे। यह भारत में पहला सहकारी राइड-हेलिंग सर्विस ऐप है। सरकार की कोशिश इस ऐप के जरिए यात्रियों को कैब सर्विस ऐप्स उबर, ओला और रैपिडो के मुकाबले एक सस्ता विकल्प उपलब्ध कराना है।

सहकारिता मंत्रालय द्वारा समर्थित और सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित, भारत टैक्सी को एक ड्राइवर-स्वामित्व वाली परिवहन सेवा के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है जो अपने शुरुआती चरण में जीरो-कमीशन मॉडल पर काम करेगी, जिसमें सवारी भुगतान का 100 प्रतिशत हिस्सा सीधे ड्राइवरों को दिया जाएगा। सहकारिता मंत्रालय ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म चालकों के लिए फ्री होगी और उन्हें सारथी कहा जाएगा। इसके जरिए केंद्र की कोशिश चालकों को राइड-हेलिंग सर्विस ऐप्स की शोषणकारी नीति से बचाना है।

इस ऐप में चार किलोमीटर तक के लिए किराया 30 रुपए प्रति किलोमीटर होगा, 4-12 किलोमीटर तक के लिए किराया 23 रुपए प्रति किलोमीटर और 12 किलोमीटर से अधिक के लिए किराया 18 रुपए प्रति किलोमीटर होगा। अन्य ऐप्स की तरह इस भारत टैक्सी को भी पब्लिक ट्रांजिट सर्विसेज जैसे मेट्रो से जोड़ा जाएगा। इससे यूजर्स को एक ही ऐप से अपनी यात्रा को पूरा करने में मदद मिलेगी।

शुरुआती चरण में इसमें 100 प्रतिशत भुगतान चालकों को मिलेगा। बाद के चरण में, सहकारी संस्था लगभग 20 प्रतिशत शुल्क अपने पास रखेगी, जिसे प्रोत्साहन के रूप में चालकों को पुनर्वितरित किया जाएगा। मौजूदा प्लेटफॉर्मों के विपरीत, भारत टैक्सी सर्ज प्राइसिंग से बचने की योजना बना रही है, हालांकि विशिष्ट परिस्थितियों में डायनामिक प्राइसिंग लागू की जा सकती है।

देश में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों तक पहुंची ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, ग्रामीण और सीमावर्ती इलाकों को फायदा

नई दिल्ली (ए.) । देश में भारतनेट परियोजना के तहत 2,14,904 ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी दी गई है और इससे देश में अंतिम दूरी तक डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने में मदद मिली है। यह बयान संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ.चंद्रशेखर पेम्मासानी की ओर से गुरुवार को दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा,ग्रामीण, सीमावर्ती और आकांक्षी जिलों में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड और मोबाइल कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए सरकार द्वारा कई कदम और प्रमुख परियोजनाएं शुरू की गई हैं। दिसंबर 2025 तक, भारतनेट परियोजना के तहत 2,14,904 ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के साथ सेवा के लिए तैयार किया गया है और देश में 4जी सैचुरेशन प्रोजेक्ट और अन्य मोबाइल परियोजनाओं के तहत 23,694 मोबाइल टावर चालू किए गए हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

नई दवाओं के विकास

अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि दवा कंपनियां नियमों में दी जा रही रियायत का बेज़ा फायदा ना उठाएं। भारत सरकार ने नई दवाओं के विकास के लिए हरी झंडी देने के नियम आसान बनाए हैं। इसके लिए नई औषधि एवं क्लीनिकल ट्रायल के 2019 में बने नियमों में बदलाव किया गया है। मकसद नई दवाओं के परीक्षण में लगने वाले समय को घटाना और संबंधित अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। पहले ऐसे कार्यों के लिए केंद्रीय औषधि प्रमाणन नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से लाइसेंस हासिल करना अनिवार्य था। अब कंपनियां कुछ श्रेणियों की दवाओं को छोड़कर बाकी सभी मामलों में सीडीएससीओ को महज ऑनलाइन सूचना देकर परीक्षण शुरू कर सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस बदलाव से कम-से-कम 90 दिन की बचत होगी। दवा कंपनियां लंबे समय से ऐसे बदलाव की मांग कर रही थीं। विनियमन प्रक्रिया की धीमी गति को वे अपने लिए बड़ी रुकावट मानती रही हैं। अत: अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि कंपनियां नियमों में ढीलेपन का बेज़ा फायदा ना उठाएं। हालांकि भारतीय दवा उद्योग की दुनिया में ऊंची साख है, लेकिन हाल के वर्षों में कंपनियों द्वारा विनियमन प्रक्रिया में ढिलाई का लाभ उठाने के कई मामलों सामने आए हैं। कफ सिरप जैसी दवाओं से मिलावट की घटनाओं से भारतीय औषधि उद्योग पर कलंक लगा है। आम धारणा है कि भारत में निगरानी की व्यवस्था पश्चिमी देशों में मौजूद विनियम से कमजोर है। इसी कारण भारत में बनी जेनरिक दवाओं को ब्रांडेड दवाओं से अक्सर कमतर समझा जाता है। इसके बावजूद भारत में बनी दवाओं और वैक्सीन का दुनिया में बहुत बड़ा बाजार है, तो उसकी वजह इनका किफायती होना है। दवा उत्पादन के लिहाज से भारत दुनिया में तीसरे और मूल्य के लिहाज से 14वें स्थान पर आता है। देश में तीन हजार से ज्यादा दवा कंपनियां और साढ़े दस हजार फैक्टरियां हैं। लगभग 60 जेनरिक ब्रांड यहां उत्पादित होते हैँ। इस कारोबार ने दशकों के दरम्यान इतना विशाल आकार ग्रहण किया है, तो उसमें विश्वसनीयता एक निर्णायक पहलू रही है। नए बदलावों के साथ इस पर कोई समझौता नहीं हो, इसे अवश्य सुनिश्चित करना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में 7, लोक कल्याण मार्ग पर 'परीक्षा पे चर्चा 2026' में छात्रों से बातचीत करते हुए।

विकसित भारत के अग्रदूतों के भविष्य को संवारना

धर्मेंद्र प्रधान

इस वर्ष परीक्षा पे चर्चा का आयोजन भारत की शिक्षा यात्रा में शांत लेकिन निर्णायक परिवर्तन को रेखांकित करता है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में परिकल्पित यह पहल, जो 2018 में एक एकल वार्षिक संवाद के रूप में प्रारंभ हुई थी, आज स्वाभाविक रूप से एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। अब यह एक राष्ट्रव्यापी सामूहिक प्रयास बन गई है, जिसमें विद्यार्थियों के समग्र कल्याण को केंद्र में रखा गया है और माता-पिता व शिक्षक इस साझा उत्तरदायित्व के सक्रिय सहभागी हैं।

इस वर्ष की सहभागिता का पैमाना इस पहल की गहराई को दर्शाता है। 4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरणों के साथ परीक्षा पे चर्चा, पूर्व गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए अब जन-संपर्क से आगे बढ़कर सामूहिक स्वामित्व की एक महत्वपूर्ण अवस्था में प्रवेश कर चुकी है। यह अभूतपूर्व सहभागिता सक्षम वातावरण निर्मित करने के सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करती है, जहाँ प्रत्येक बच्चा सीख सके, विकसित हो सके और सही मायनों में फल-फूल सके।

प्रधानमंत्री के प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का शिक्षा, अध्ययन और परीक्षा से जुड़े तनाव जैसे विषयों पर विद्यार्थियों के साथ संवाद सहानुभूति, व्यवहारिकता और प्रेरक नेतृत्व का विशिष्ट समन्वय प्रस्तुत करता है। सरलता, अनुशासन, आशावाद और मानव क्षमता में गहरी आस्था से परिपूर्ण उनके व्यक्तित्व ने लाखों बच्चों के मन पर गहरा और स्थायी प्रभाव अंकित किया है। औपचारिक प्रोटोकॉल की जटिलताओं से परे जाकर विद्यार्थियों से मार्गदर्शक, मेंटर और शुभचिंतक के रूप में जुड़ने की सहज क्षमता प्रधानमंत्री को विशिष्ट बनाती है। उनकी संवादात्मक, कथात्मक और आत्मीय शैली विद्यार्थियों को यह अनुभव कराती है कि उनकी बातें सुनी और समझी जा रही हैं। वे गर्मजोशी, हास्य और प्रामाणिकता के साथ संवाद करते हैं तथा अक्सर अपने जीवन के अनुभवों से उदाहरण लेकर धैर्य, एकाग्रता और आत्मबल जैसे व्यापक जीवन मूल्यों को सरलता से प्रस्तुत करते हैं। यह व्यक्तिगत स्पर्श परीक्षा से जुड़े दबावों को सहज बनाते हुए आश्वस्त और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है, जहाँ विद्यार्थी

आत्मविश्वास के साथ सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं।

प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता की पहचान

इस प्रयास के केंद्र में एक सरल किंतु अत्यंत सशक्त सत्य निहित है: हर बच्चा विशिष्ट है। प्रत्येक बच्चा अलग तरह से सीखता है, अपनी गति से आगे बढ़ता है और अपने भीतर ऐसी प्रतिभाएँ समेटे होता है, जिन्हें अंकों या रैंक तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

परीक्षाएँ अपनी प्रकृति के अनुसार, बच्चे की क्षमता के सीमित पहलू को ही दर्शाती हैं। समग्र व्यक्तित्व के निर्माण के माध्यम से ही उसकी वास्तविक सृजनात्मकता और उत्कृष्टता का विकास होता है। कोई बच्चा गणित में उत्कृष्टता दिखा सकता है, कोई कलात्मक कल्पना में निपुण हो सकता है, और कोई करुणा के साथ संवेदनशील चिकित्सक बनने की क्षमता रखता है। ये भिन्नताएँ किसी तरह की कमी नहीं हैं; बल्कि यही विविध, सशक्त और नवोन्मेषी समाज की आधारशिला हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दर्शन का प्रतिबिंब यह दर्शन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूल में निहित है। इसके ढाँचे के अंतर्गत शिक्षण-पद्धतियों, पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन प्रणालियों को एक वास्तविक बाल-केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप पुनर्गठित किया जा रहा है, जहाँ शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ सृजनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शारीरिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर विशेष बल दिया गया है। प्रारंभिक वर्षों में खेल-आधारित शिक्षण पर इसका जोर इस तथ्य को स्वीकार करता है कि जिज्ञासा और आनंद ही आजीवन सीखने की सबसे सशक्त आधारशिलाएँ हैं।

शिक्षा के आरंभिक वर्षों में मातृभाषा में शिक्षा देने का उद्देश्य बच्चों को अवधारणाओं की बेहतर समझ प्रदान करना है, जबकि बहुभाषिकता पर दिया गया बल ऐसी पीढ़ी के निर्माण की परिकल्पना करता है जो अपनी सांस्कृतिक और भाषायी जड़ों के प्रति विश्वास रखती हो तथा भारतीय ज्ञान परंपराओं को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने में सक्षम हो।

मूल्यांकन संबंधी सुधार भी इसी उद्देश्य को प्रतिबिंबित करते हैं। पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएँ अब वर्ष में दो बार आयोजित की जाएँगी, जिससे विद्यार्थियों को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए अधिक लचीलापन मिलेगा और उच्च-दबाव वाली एकल परीक्षा से जुड़ा तनाव कम होगा।

360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड लागू किए गए हैं, जो केवल बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों का ही आकलन नहीं करते, बल्कि उसके सामाजिक-भावनात्मक और शारीरिक विकास को भी समग्र रूप से दर्ज करते हैं। यह स्वीकार करते हुए कि तंदुरुस्ती सीखने का अभिन्न अंग है, प्रत्येक सीबीएसई विद्यालय में सामाजिक-भावनात्मक परामर्शदाताओं की नियुक्ति अनिवार्य की गई है, जो विद्यार्थियों को शैक्षणिक और भावनात्मक तनाव के प्रबंधन में निरंतर सहयोग प्रदान करेंगे। अंत में, हमारे समक्ष उत्तरदायित्व स्पष्ट है— बच्चों को किसी एक साँचे में ढलने के लिए विवश नहीं करना चाहिए, बल्कि प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं को पहचानना, उनका समर्थन करना और उन्हें सुदृढ़ बनाना चाहिए।

समग्र रूप से सीखना - प्रमुख केंद्रबिंदु

आज की शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों, परीक्षाओं और रटने तक सीमित नहीं रह गई है। समग्रता से सीखने पर स्पष्ट रूप से ध्यान दिया जा रहा है। यह भली-भाँति समझा जा चुका है कि केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार नहीं करती।

चिंता, भय या भावनात्मक तनाव के बोझ तले बच्चे सार्थक रूप से नहीं सीख सकते। भारत की सभ्यतागत परंपराएँ इस स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण जागरूकता या माइंडफुलनेस, प्राणायाम और योग जैसे स्थायी साधन प्रदान करती हैं।

राहुल की जिद और उद्दंडता से शुरु हुआ बुक वॉर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्र भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित हो गये हैं, उनके नाम पर भारतीय जनता पार्टी आसानी से चुनाव की वैतरणी पार कर जाती है। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लगा होगा कि नरेंद्र मोदी की शक्ति ईमानदारी है, इसलिए उन्होंने राफेल में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया और गौतम अडानी के बहाने जोरदार हमले किये, उनके कई आरोप उच्चतम न्यायालय तक गये हैं, जहां आरोपों में कोई दम नहीं निकला, साथ ही आम जनता का भाव भी नरेंद्र मोदी के प्रति नहीं बदला। चीन से तनाव के समय जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुये नरेंद्र मोदी को कमजोर प्रधानमंत्री सिद्ध करने का प्रयास किया पर, आम जनता पर कोई असर नहीं हुआ। पाकिस्तान से संघर्ष विराम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में बताया पर, आम जनता ने उनकी बातों पर विश्वास नहीं किया। अब राहुल गांधी को लगता है कि नरेंद्र मोदी पर आम जनता, उनके स-शक्त निर्णयों को लेकर अटूट विश्वास करती है, इस छवि को आघात पहुँचाने के उद्देश्य से ही राहुल गांधी पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की अ-प्रकाशित पुस्तक के अंश को मुद्दा बनाने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही स्वयं को निडर और स-शक्त दर्शाने के लिये उद्दंडता पूर्ण व्यवहार करते हुये भी दिखाई दे रहे हैं लेकिन, उन्हें इस बात का अहसास भी नहीं है कि उनकी निरर्थक जिद और उद्दंडता से, उनकी ही छवि खराब हो रही है, साथ ही पुस्तकों के हवाले से ही अब भाजपा भी गड़े मुर्दे उखाड़ेगी, जिससे नेहरू-गांधी खानदान के कु-कृत्यों की दुर्गंध पुन: ताजा हो सकती है, इसी विषय पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...।

यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना महत्वपूर्ण

हरिशंकर व्यास

लग नहीं रहा था कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन के नेता डोनाल्ड ट्रंप से भिड़ेंगे। सोचें, ट्रंप ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और प्रधानमंत्री मोदी पर कितना खराब बोले हैं लेकिन ट्रंप को झूठा करार देने का भारत सरकार ने एक वाक्य नहीं बोला। ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर भी भारत का जवाबी टैरिफ नहीं है। फिर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को अगुआ करवाने की ट्रंप की कार्रवाई से अलग दुनिया सहमी हुई थी। तभी ग्रीनलैंड को लेकर यूरोपीय नेता की हल्की आनाकानी हुई तो ट्रंप ने अपने अंहकार में फटाक ब्रिटेन, यूरोपीय संघ पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी।

और तब यूरोपीय नेता जैसे खड़े हुए तो सभी चौंके। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी, जर्मनी के चासंलर शोल्ज़् से लेकर डेनमार्क, नार्वे, यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा सभी ने ट्रंप को दो टूक जवाब दिया। घोर ट्रंप समर्थक मेलोनी का वाक्य था कि 'ग्रीनलैंड कोई सौदे की वस्तु नहीं है। संप्रभुता पर बातचीत नहीं हो सकती'। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस से, फिर संसद में साफ कहा कि हम ग्रीनलैंड की संप्रभुता के समर्थक हैं और अमेरिका का ऐसे टैक्स लगाना पूरी तरह गलत है। फ्रांस के मैक्रों, यूरोपीय परिषद् के प्रमुख एंटोनियो

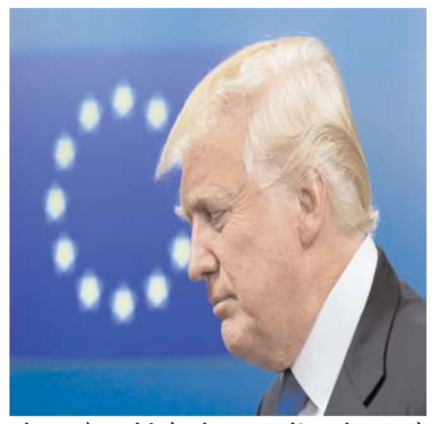

कोस्टा और जर्मनी के शोल्ज़् (सर्वाधिक बेबाक) के वाक्य ज्यादा मुखर थे। जैसे हम किसी भी तरह की धमकी के आगे नहीं झुकेंगे— न यूक्रेन पर, न ग्रीनलैंड पर। नतीजतन सोशल मीडिया पर अमेरिकी झंडा पकड़े ट्रंप के ग्रीनलैंड की और बढ़ने वाले पोस्ट के बाद दावोस में ट्रंप का रंग बदला हुआ था। तभी उन्होंने दावोस में कहा कि सैनिक बल से ग्रीनलैंड नहीं कब्जाएंगे। फिर उन्होंने यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ का फैसला भी वापिस लिया।

मगर यूरोपीय देश इससे संतुष्ट नहीं हुए। यूरोपीय संघ की पूर्व निर्धारित आपातकालीन बैठक हुई। बैठक बाद कहा गया, यूरोपीय संघ अपनी रक्षा करेगा— अपने सदस्य देशों की, अपने नागरिकों की और अपनी कंपनियों की। डेनमार्क और ग्रीनलैंड को यूरोपीय संघ का पूर्ण समर्थन प्राप्त है, और उनके भविष्य से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने का अधिकार केवल उन्हीं के पास है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय संप्रभुता के उन सिद्धांतों के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो यूरोप के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अनिवार्य हैं।

ये वाक्य मामूली नहीं हैं। इसलिए क्योंकि ट्रंप अपनी सनक में दूसरे महायुद्ध के बाद बनी विश्व व्यवस्था को बदल, जिसकी लाठी उसकी भैंस की व्यवस्था बनवा रहे हैं। ऐसा होना खतरनाक है। आखिर ग्रीनलैंड को ट्रंप ने इस तरह कब्जाया तो चीन के शी जिनपिंग को ताइवान या अरूणाचल प्रदेश कब्जाने में भला कौन रोक सकेगा या पुतिन क्यों नहीं यूक्रेन के बाद बाल्टिक देशों पर कब्जे के लिए प्रेरित होंगे

तभी यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना शेष विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। यों ट्रंप प्रशासन रूकेगा नहीं। वह ध्यान बंटाने के लिए क्यूबा, ईरान की ओर बढ़ सकता है। बावजूद इसके यूरोपीय देशों ने रास्ता दिखाया है।

जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन, यूरोप में समझ बन गई है कि उन्हें वह महाशक्ति बनना है जो बिना अमेरिकी साथ के भी रूस, चीन के आगे खड़े हो सके। ट्रंप की रीति-नीति ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया सभी को जगाया है।

मेष राशि: बिजनेसमैन को अचानक होगा धनलाभ

मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। इस राशि के बिजनेसमैन को अचानक कहीं से धनलाभ होगा। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज आपने काम करने के तरीकों में बदलाव लाने से गतिविधियां बेहतर होंगी। आज आप अपनी दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव करेंगे। उधार दिया पैसा मिलने के योग हैं।

वृष राशि: आज काम में मन लगेगा

वृष राशि वालों आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। साथ ही आज काम में मन लगेगा। आज आप अपनी कार्यकुशलता के दम पर बेहतरीन कार्य पूर्ण करने में सफल होंगे। साथ ही किसी समस्या का समाधान मिलने से आपको ख़ुशी होगी। कुछ समय अपने रुचिपूर्ण कार्यों में व्यतीत करेंगे।

मिथुन राशि: कड़ी मेहनत आज रंग लाएगी

मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपको मेहनत का फल जरूर मिलेगा। कई दिनों से चल रहीं कड़ी मेहनत आज रंग लाएगी। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। आज का दिन अनुकूल है लेकिन इसका सदुपयोग करना आपकी योग्यता पर निर्भर करता है।

कर्क राशि: शादी की बात फाइनल होगी

कर्क राशि वालों आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप दिन भर कई तरह के कामों में व्यस्त रहेंगे। आज भागदौड़ से राहत पाने के लिए थोड़ा समय खुद के लिए निकालें। आज अपने निजी कामों को पूरा करने में बिजी रहेंगे। आज फालतू उलझने छोड़कर अपने करियर पर ध्यान देंगे।

सिंह राशि: खुशखबरी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा

सिंह राशि वालों का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके सामने कई चुनौतियां आएंगी, आप इनका डटकर मुकाबला करेंगे। आज खुशखबरी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और आप अपने अंदर नया जोश और ऊर्जा महसूस करेंगे। घर में सकारात्मकता बनाकर रखने के लिए घर की व्यवस्था में भी रुचि लेंगे।

कन्या राशि: काम का बोझ अधिक रहेगा

कन्या राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज रोजगार में पदोन्नती के अवसर बनेंगे। आज जीवनसाथी तथा परिवारजनों का सहयोग आपकी कार्य क्षमता को और बेहतर बनाएगा। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आज ऑफिस में आपके ऊपर काम का बोझ अधिक रहेगा।

तुला राशि: रुका हुआ पैसा मिल सकता है

तुला राशि वालों का दिन आज ठीक ठाक रहेगा। आज करीबी रिश्तेदारों के साथ मिलकर अच्छी योजनाओं पर विचार होगा। आपका रुका हुआ पैसा मिल सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में रुझान बढ़ेगा। परिवार के साथ मनोरंजक यात्रा का प्लान बनेगा।

वृश्चिक राशि: आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा

वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई खुशियां लेकर आया है। आपका चंचल स्वभाव लोगों को प्रभावित करेगा। ज्यादा सोच विचार करने से समय निकल सकता है, इसलिए योजनाएं बनाने के साथ साथ तुरंत लागू करने की भी कोशिश करें।

धनु राशि: राजनीतिक से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा

धनु राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। इस राशि के राजनीतिक से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज काम करने से पहले उससे जुड़ी जानकारी जरूर हासिल करें। इससे आपको सफलता मिलेगी। दूसरों की बातों में न आएं। अपने फैसलों को ही सर्वोपरि रखें और अपनी मेहनत पर भरोसा रखें।

मकर राशि: अफवाहों पर ध्यान न दें

मकर राशि वालों आज का दिन घूमने फिरने में बितेगा। आज अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें। आने वाले दिनों में आपको मेहनत के मुताबिक सफलता मिलेगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज समस्याओं से घबराने के बजाय सॉल्यूशन खोजने की कोशिश करेंगे।

कुम्भ राशि: पुराने काम आसानी से हो जाएंगे

कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से हो जाएंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज जरूरी कार्यों में लोगों का साथ मिलेगा। उनके मार्गदर्शन में आप अपने आसपास की परिस्थितियों में बदलाव महसूस करेंगे। पारिवारिक व्यवस्था को लेकर खास योजनाएं बनेंगी। आज आप उचित फैसला लेने में सक्षम रहेंगे।

मीन राशि: आत्मविश्वास बनाए रखने से काम

मीन राशि वालों आज का दिन घूमने फिरने में बीतेगा। आज आत्मविश्वास बनाए रखने से काम को अच्छे से पूरा कर पाएंगे। नए लोगों से मुलाकात होगी और रुके काम पूरे होने से रिलेक्स महसूस करेंगे।

आईएएस और आईएफएस को स्टेपिंग स्टोन की तरह प्रयोग करने व अपग्रेड सिंड्रोम प्रवृत्ति पर सीधा प्रहार -सीरियल अटेम्प्ट संस्कृति पर निर्णायक प्रहार सराहनीय कदम -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

भारत की प्रशासनिक भर्ती प्रणाली में एक ऐतिहासिक संरचनात्मक सुधार

-यूपीएससी ने आईएएस-आईपीएस के लिए बदले नियम,अब बार-बार नहीं दे पाएंगे परीक्षा

गोंदिया-वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल युग में जहां एक ओर तकनीक ने ज्ञान, सूचना और अवसरों को वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक बनाया है,वहीं दूसरी ओर इसी तकनीक के दुरुपयोग ने परीक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी खड़े कर दिए हैं। बीते कुछ वर्षों में भारत ही नहीं,बल्कि विश्व के अनेक देशों में उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, डिजिटल हैकिंग,प्रॉक्सी कैंडिडेट्स कोचिंग-माफिया गठजोड़ और मेरिट के क्षरण जैसी घटनाओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत में नीट,रेलवे, राज्य लोक सेवा आयोगों और विभिन्न भर्ती बोर्डों की परीक्षाओं में सामने आए हैँ मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि़ घोटालों ने यह स्पष्ट कर दिया कि पारंपरिक नियमों और ढांचागत कमजोरियों के साथ आधुनिक डिजिटल चुनौतियों का सामना करना अब संभव नहीं रह गया है। इसी पृष्ठभूमि में संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 के लिए जो नोटिफिकेशन 4 फरवरी 2026 को जारी किया है, वह केवल एक सामान्य भर्ती विज्ञापन नहीं,बल्कि भारत की प्रशासनिक भर्ती प्रणाली में एक ऐतिहासिक संरचनात्मक सुधार के रूप में देखा जा रहा है। यह नोटिफिकेशन न केवल उम्मीदवारों के लिए नियमों में भारी परिवर्तन करता है, बल्कि यह स्पष्ट संकेत भी देता है कि आयोग अब मेरिट,अवसरों की समानता,नैतिकता और सेवा- प्रतिबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कठोर निर्णय लेने से पीछे नहीं हटेगा।यूपीएससी सीएसई -2026 के माध्यम से कुल 933 पदों पर भर्ती की जानी है,जिनमें से 33 पद बेंचमार्क दिव्यांग श्रेणी के लिए आरक्षित

हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 4 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुकी है और आवेदन की अंतिम तिथि 24 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट upsconline.nic.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस बार आवेदन भरना मात्र औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, क्योंकि नए नियमों की जटिलता और दीर्घकालिक प्रभाव को समझे बिना किया गया कोई भी निर्णय उम्मीदवार के पूरे करियर को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम केवल एक अतिरिक्त मौका: सीरियल अटेम्प्ट' संस्कृति पर निर्णायक प्रहार इस बदले हुए नियम को समझने की करें तो, नोटिफिकेशन का सबसे महत्वपूर्ण और विवादास्पद प्रावधान यह है कि जो आईएएस आईएफएस उम्मीदवार सीएसई -2025 या उससे पहले की परीक्षा के आधार पर किसी भी सिविल सेवा में चयनित या नियुक्त हो चुके हैं,उन्हें सीएसई-2026 या सीएसई -2027 में केवल एक बार और परीक्षा देने का अवसर दिया जाएगा।यह अवसर भी केवल उनके बचे हुए अटेम्प्ट्स के उपयोग तक सीमित रहेगा और इसके लिए उन्हें तत्काल सेवा से इस्तीफा देने की आवश्यकता नहीं होगी।यह नियम उस प्रवृत्ति पर सीधा प्रहार है जिसमें उम्मीदवार एक सेवा प्राप्त करने के बाद भी बार-बार परीक्षा देकर "अपग्रेड सिंड्रोम" का शिकार बने रहते थे। इससे न केवल नए और पहली बार प्रयास करने वाले अभ्यर्थियों के अवसर सीमित होते थे,बल्कि प्रशासनिक ढांचे में भी अस्थिरता उत्पन्न होती थी।

नए नियमों के अनुसार, जो उम्मीदवार पिछली परीक्षाओं के परिणामस्वरूप भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त हो चुके हैं और वर्तमान में उन सेवाओं के सदस्य हैं, वे सीएसई -2026 में शामिल होने के लिए पूर्णत: अयोग्य होंगे।यह निर्णय वैश्विक प्रशासनिक प्रणालियों के अनुरूप है, जहां शीर्ष सेवाओं को एक करियर-फाइनल डेस्टिनेशन माना जाता है, न कि अस्थायी पड़ाव। इस प्रावधान का उद्देश्य स्पष्ट हैआईएएस और आईएफएस को एक बार प्राप्त करने के बाद उसे "स्टेपिंग स्टोन" की तरह प्रयोग करने की मानसिकता कोसटीक रूप से समाप्त करना।

साथियों बात अगर हम प्रीलिम्स क्लियर करने के बाद भी मेन्स का अवसर नहीं: समय- आधारित निष्पक्षता इसको समझने की करें तो,यदि कोई उम्मीदवार सीएसई -2026 की प्रारंभिक परीक्षा पास कर लेता है, लेकिन उसके बाद उसे पिछली परीक्षा के आधार पर आईएएस या आईएफएस में नियुक्ति मिल जाती है और वह उस सेवा का सदस्य बना रहता है, तो वह सीएसई -2026 की मुख्य परीक्षा में शामिल होने का पात्र नहीं रहेगा। यह नियम परीक्षा प्रक्रिया में टाइम-लाइन आधारित निष्पक्षता को सुनिश्चित करता है और "दो नावों में पैर रखने" की प्रवृत्ति को रोकता है।

यदि कोई उम्मीदवार मुख्य परीक्षा शुरू होने के बाद लेकिन परिणाम घोषित होने से पहले आईएएस या आईएफएस में नियुक्त हो जाता है और सेवा में बना रहता है, तो उसे सीएसए -2026 के परिणाम के आधार पर किसी भी सेवा में नियुक्त नहीं किया जाएगा।यह नियम यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी उम्मीदवार एक ही समय में दो अलग-अलग चयन प्रक्रियाओं का लाभ न उठा सके।

जालंधर में सरेआम आप नेता की हत्या, गुरुद्वारे के बाहर बदमाशों ने बरसाई गोलियां; दहशत का माहौल

जालंधर (आरएनएस)। जालंधर में आज सुबह अपराधियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया जिसमें आप नेता व पार्षद का चुनाव लड़ चुके लक्की ओबरॉय का गोलियां मार कर कत्ल कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक मॉडल टाउन गुरुद्वारा के बाहर आप नेता पर गोलिया चलाई गई ।बताया जा रहा है कि आप नेता लक्की ओबरॉय सुबह 8:15 बजे रोजाना की तरह गुरुद्वारा में माथा टेकने के लिए आए हुए थे। इस दौरान गुरुद्वारा साहिब के बाहर उन पर हमलावर द्वारा ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं।

गोलियां लगने से बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गए, इसके बाद उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने के कारण दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया, लेकिन इस दौरान उनकी मौत हो गई। जिस समय हमलावरों ने गोलियां चलाईं उस समय लक्की ओबरॉय थार में सवार थे तभी उन पर 7 से 8 राउंड फायरिंग की गई। जिसमें से कुछ गोलियां उनकी छाती और सिर में लगीं। घटना की सूचना मिलते ही इन्वेस्टिगेशन टीम के एसपी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। इस घटना से शहर में सनसनी फ़ैल गई है।

नेटफ्लिक्स से हटेगी घूसखोर पंडत की सारी प्रचार-सामग्री, दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया निर्देश

मुंबई (आरएनएस)। नेटफ्लिक्स पर टीजर रिलीज के साथ विवादों में घिरी अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म घूसखोर पंडत सुर्खियों में है। फिल्म के टाइटल को लेकर ब्राह्मण समाज में रोष का माहौल है और देश के कई राज्यों से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग उठ रही है। अब मामले में नया अपडेट आया है, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय ने अधिवक्ता विनीत जिंदल की याचिका पर सुनवाई करते हुए फिल्म के नाम और उससे जुड़ी सभी प्रचार-सामग्री को सभी प्लेटफॉर्म से हटाने की घोषणा की है। इसके अलावा, फिल्म के निर्देशक नीरज पांडे ने मामले पर अपना पक्ष भी रखा है। अधिवक्ता विनीत जिंदल द्वारा याचिका में दावा किया गया है कि टाइटल 'घूसखोर पंडित' ब्राह्मण समुदाय की गरिमा, प्रतिष्ठा और भावनाओं को ठेस पहुंचाता है और जानबूझकर अपमानजनक बनाया गया है। अब फैसले के बाद फिल्म से जुड़ी सारी प्रचार सामग्री को हटाने का निर्देश दे दिया गया है।

घूसखोर पंडत के निर्देशक नीरज पांडे ने फिल्म को लेकर बढ़ते विवाद पर सफाई दी है और उनका कहना है कि फिल्म का उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा, हमारी फिल्म एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है, और पंडित शब्द का प्रयोग केवल एक काल्पनिक पात्र के बोलचाल के नाम के रूप में किया गया है। कहानी एक व्यक्ति के कार्यों और विकल्पों पर केंद्रित है और किसी भी जाति, धर्म या समुदाय पर टिप्पणी या प्रतिनिधित्व नहीं करती है।

उन्होंने आगे लिखा, एक फिल्म निर्माता के रूप में, मैं अपने काम को गहरी जिम्मेदारी की भावना के साथ करता हूं। यह फिल्म, मेरी पिछली फिल्मों की तरह, पूरी ईमानदारी से बनाई गई है और इसका एकमात्र उद्देश्य दर्शकों का मनोरंजन करना है। हम समझते हैं कि फिल्म के शीर्षक से कुछ दर्शकों को ठेस पहुंची है, और हम उन भावनाओं को समझते हैं। इन चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, हमने फिलहाल सभी प्रचार सामग्री हटाने का निर्णय लिया है, क्योंकि हमारा मानना है कि फिल्म को पूरी तरह से देखा जाना चाहिए और उस कहानी के संदर्भ में समझा जाना चाहिए जिसे हम बताना चाहते हैं, न कि आंशिक झलक के आधार पर। मैं जल्द ही दर्शकों के साथ फिल्म साझा करने के लिए उत्सुक हूं।

25 साल अभी बाकी हैं, परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में छात्रों को पीएम मोदी ने बताया 75वें जन्मदिन का किस्सा

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पे चर्चा के दौरान छात्रों को अपने 75वें जन्मदिन का एक किस्सा बताया। उन्होंने कहा कि अभी मेरे 25 साल बाकी हैं। मैं जो बीत गया है, उसे गिनता नहीं हूं, बल्कि जो बचा हुआ है उसकी गिनती करता हूं। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में मणिपुर की एक छात्रा ने प्रधानमंत्री की प्रशंसा की और कहा कि वे बचपन से उसकी प्रेरणा रहे हैं। छात्रा ने बताया कि मेरा जन्मदिन भी प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के साथ ही आता है। इसके बाद पीएम मोदी ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा, अभी मेरे जन्मदिन पर 17 सितंबर को एक नेता ने फोन किया और कहा कि आपके 75 साल हो गए, तो मैंने उसे कहा कि 25 अभी बाकी हैं। मैं बीते हुए को नहीं, बल्कि बचे हुए को गिनता हूं।

छात्रों को विशेष मंत्र देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जो बीता है, उसकी गिनती में समय बर्बाद न करें, बल्कि जो बचा है, उसको जीने के लिए सोचिए।

चीन-पाक की अब खैर नहीं : भारत खरीदेगा 114 नए राफेल, फ्रांस से 3.25 लाख करोड़ की महाडील की तैयारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। रक्षा बजट में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के तुरंत बाद भारत अब अपनी वायु शक्ति को आसमान की ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। सीमा पर पाकिस्तान और चीन के अलावा बांग्लादेश जैसे पड़ोसी मुल्कों के साथ बदलते रिश्तों और तल्खी के बीच भारत ने फ्रांस के साथ एक ऐतिहासिक रक्षा सौदे की रूपरेखा तैयार कर ली है। खबर है कि भारतीय वायुसेना के बेड़े में 114 नए राफेल लड़ाकू विमान शामिल करने के प्रस्ताव पर सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है, जिसकी लागत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है।

मैक्रों के दौरे से पहले अहम बैठक

इस मेगा डील को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। फरवरी के तीसरे हफ्ते में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत के दौरे पर आ रहे हैं। वह 18 फरवरी को नई दिल्ली में होने वाले एआई शिखर सम्मेलन (AI Summit) में हिस्सा लेंगे। सूत्रों के मुताबिक, उनके आने से ठीक पहले अगले हफ्ते रक्षा मंत्रालय की एक उच्च-स्तरीय बैठक होने जा रही है, जिसमें इस खरीद प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। भारतीय वायु सेना के इस प्रस्ताव को रक्षा खरीद बोर्ड से पहले ही शुरुआती मंजूरी मिल चुकी है, जिसे अब अमलीजामा पहनाने की तैयारी है।

80 फीसदी विमान भारत में ही बनेंगे

इस सौदे की सबसे खास बात 'मेक इन इंडिया' है। डील के तहत खरीदे जाने वाले 114 राफेल लड़ाकू विमानों में से लगभग 80 प्रतिशत विमानों का निर्माण भारत में ही किए जाने की योजना है। इस प्रोजेक्ट के तहत वायुसेना को 88 सिंगल-सीटर और 26 ट्विन-सीटर विमान मिलेंगे। इनमें से ज्यादातर विमान फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट और भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियों के सहयोग से भारत में तैयार किए जाएंगे। इस डील के पूरा होने के बाद भारतीय वायुसेना के पास कुल 150 राफेल का शक्तिशाली बेड़ा होगा। इसके अलावा नौसेना के पास भी 26 राफेल मरीन विमान होंगे।

घट रही स्क्वाड्रन क्षमता, बढ़ता खतरा

यह डील भारतीय वायुसेना की ऑपरेशनल जरूरतों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। वर्तमान में वायुसेना के पास लड़ाकू विमानों की सिर्फ 30 स्क्वाड्रन बची हैं, जबकि स्वीकृत संख्या 42 है। पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ते गठजोड़ और अब बांग्लादेश की ओर से उत्पन्न हो रही सुरक्षा चुनौतियों ने खतरे की आशंका को बढ़ा दिया है। ऐसे में यह प्रोजेक्ट वायुसेना को लंबे समय तक 4.5-जेनरेशन-प्लस मल्टीरोल लड़ाकू विमानों की कमी को पूरा करने में मदद करेगा।

रक्षा बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतरी

सरकार ने सेना के आधुनिकीकरण के लिए खजाना खोल दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में पेश किए गए बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए अब तक का सर्वाधिक 7.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह कुल बजट का 14.68 प्रतिशत है और पिछले वर्ष के मुकाबले इसमें 15 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी की गई है। आंकड़ों पर नजर डालें तो मोदी सरकार ने रक्षा बजट में निरंतर वृद्धि की है, जो 2021-22 में 4.84 लाख करोड़ से बढ़कर अब 7.85 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

अब जमीन-मकान की रजिस्ट्री आसान नहीं, योगी सरकार ने बदला नियम, पैन कार्ड हुआ अनिवार्य

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में अपना आशियाना, दुकान या जमीन खरीदने वालों के लिए नियम अब और सख्त हो गए हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार ने संपत्तियों के लेनदेन में होने वाले वित्तीय अपराधों और सुरक्षा के मद्देनजर एक बड़ा फैसला लिया है। अब प्रदेश में किसी भी तरह की संपत्ति की रजिस्ट्री के लिए स्थाई खाता संख्या (PAN) को अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा ने प्रदेश के सभी विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं।

भारत-नेपाल सीमा पर संदिग्ध गतिविधियों ने बढ़ाई चिंता

सरकार द्वारा उठाए गए इस सख्त कदम के पीछे सबसे बड़ी वजह राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रही हलचल है। दरअसल, भारत-नेपाल सीमा से सटे जिलों में पिछले कुछ समय में संपत्तियों की रजिस्ट्री की संख्या में अचानक भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। शासन स्तर पर हुई जांच में यह बात सामने आई कि इन क्षेत्रों में संपत्तियों के लेनदेन में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियां हो रही हैं। इसी को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से सरकार ने तय किया है कि अब बिना पैन कार्ड लिंक किए रजिस्ट्री की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी।

सॉफ्टवेयर करेगा रियल टाइम वेरिफिकेशन

इस नए नियम को सख्ती से लागू करने के लिए तकनीकी इंतजाम भी पूरे कर लिए गए हैं। महानिरीक्षक निबंधन द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक, अब सभी सहायक महानिरीक्षक और उप निबंधकों को रजिस्ट्री के दौरान पक्षकारों के पैन कार्ड का ऑनलाइन सत्यापन करना होगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नई दिल्ली में परीक्षा पे चर्चा 2026 के 9वें एडिशन के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए।

महाराष्ट्र के गढ़चिरोली में बड़ा नक्सली हमला, मुठभेड़ में 3 माओवादी ढेर, सी- 60 का एक कमांडो शहीद

गढ़चिरोली (आरएनएस)। महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गढ़चिरोली जिले में आज पुलिस और नक्सलियों के बीच एक भीषण मुठभेड़ हुई है। छत्तीसगढ़ सीमा से सटे इस इलाके में हुए खूनी संघर्ष में सुरक्षाबलों ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए तीन खूंखार माओवादियों को ढेर कर दिया है। हालांकि, इस ऑपरेशन के दौरान एक दुखद खबर भी सामने आई है। नक्सलियों से लोहा लेते हुए महाराष्ट्र पुलिस की विशेष एंटी-नक्सल यूनिट सी-60 (C-60) का एक बहादुर कमांडो शहीद हो गया है, जबकि एक अन्य जवान गोली लगने से घायल हुआ है।

कंपनी नंबर 10 की मौजूदगी की मिली थी खबर

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुरक्षाबलों को खुफिया जानकारी मिली थी कि नारायणपुर-गढ़चिरोली जिले की सीमा पर स्थित फोदेवाडा गांव के पास जंगलों में नक्सलियों की 'कंपनी नंबर 10' के बचे हुए सदस्य और छत्तीसगढ़ से आया एक अज्ञात माओवादी दलम छिपा हुआ है। इसी पुख्ता सूचना के आधार पर भामरागढ़ के उप-विभागीय पुलिस

अधिकारी के नेतृत्व में सी-60 कमांडो फोर्स ने इलाके की घेराबंदी कर गहन तलाशी अभियान शुरू किया था। घना जंगल और सीमावर्ती इलाका होने के कारण यह ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण था।

रात के अंधेरे में नक्सलियों ने की फायरिंग

जवान जब सर्च ऑपरेशन चला रहे थे, तभी रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने पुलिस बल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सी-60 के जवानों ने भी तुरंत मोर्चा संभाला और मुस्तैदी से जवाबी कार्रवाई की। देर रात तक चली इस मुठभेड़ में जवानों की गोलीबारी के सामने नक्सली टिक नहीं सके और तीन नक्सली मौके पर ही मारे गए। मारे गए नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं, लेकिन अभी उनकी शिनाख्त की प्रक्रिया जारी है।

एक जवान शहीद, घायल को एयरलिफ्ट करने की तैयारी

दोनों तरफ से हुई इस भीषण गोलीबारी में सी-60 यूनिट को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अदम्य साहस का परिचय देते हुए एक कमांडो वीरगति को प्राप्त हो गया। वहीं, गोलीबारी में घायल हुए दूसरे कमांडो को इलाज के लिए सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन और तेज कर दिया गया है, क्योंकि आशंका है कि कुछ नक्सली अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो सकते हैं।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जम्मू दौरे के दूसरे दिन भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित 'गुरनाम' और 'बोबिया' बीओपी का दौरा किया।

नई सरकार में कुकी-जो-हमार विधायकों की भागीदारी के खिलाफ प्रदर्शन, तीन जिलों में निकाली गईं रैलियां

इंफाल/चुराचांदपुर (ए.)। मणिपुर के तीन पहाड़ी जिलों में हजारों लोगों ने कुकी-जो-हमार विधायकों की सरकार में भागीदारी के खिलाफ रैलियां निकाली। चुराचांदपुर में उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन और अन्य दो विधायकों के पुतले जलाए गए और उनके इस्तीफे की मांग की गई। प्रदर्शनों के बाद विधायकों के घरों पर सुरक्षा बढ़ाई गई। मणिपुर के तीन पहाड़ी जिलों में शुक्रवार को हजारों लोगों ने रैलियां निकाली। इन लोगों ने राज्य में बनी नई सरकार में कुकी-जो-हमार समुदाय के विधायकों की भागीदारी का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इन विधायकों ने अपने समुदाय के साथ विश्वासघात किया है।

मुंडन की खुशियां मातम में बदलीं : तेज रफ्तार कार नहर में गिरी, दो सगे भाइयों समेत तीन की डूबने से मौत

कानपुर देहात (ए.)। यूपी के कानपुर स्थित रसूलाबाद थाना क्षेत्र के हरि निवादा के पास एक कार बेकाबू होकर सड़क किनारे रामगंगा नहर में चली गई। कार डूबने से दो सगे भाइयों समेत तीन की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को मेडिकल कॉलेज कानपुर भेजा गया है।

मुंडन में शामिल होने आए थे सभी

बहराइच रोड कोतवाली नगर जनपद गोंडा निवासी राकेश श्रीवास्तव (54), बेटे अभिषेक (26) व भाई राधेश श्रीवास्तव (42), चालक करिया उर्फ मुन्नू के साथ रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अकोढ़िया में रिश्तेदार दिलीप श्रीवास्तव के यहां उनके बेटे के मुंडन संस्कार में शामिल होने शुक्रवार सुबह आए थे। यहां दोपहर तीन बजे के करीब चारो कार से वापस एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कानपुर लौट रहे थे।

अभिषेक की हालत नाजुक, कानपुर रेफर

गांव से निकल कर हरि निवादा के पास पहुंचे, तभी चालक ने संतुलन खो दिया। कार बेकाबू होकर सड़क किनारे से निकली रामगंगा नहर में चली गई। इसी बीच पीछे से आ रहे खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह हादसा देखकर रुक गए।

उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से कार व कार में फंसे लोगों को मशक्कत कर बाहर निकलवाया। चारों को पुलिस सीएचसी लेकर पहुंची। यहां डॉक्टर ने राजेश, राधेश, व चालक मुन्नू को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर हालत में अभिषेक को कानपुर हैलट रेफर किया है।

जयराम ने पीएम मोदी से सवाल करते हुए कहा- चीन को क्लीन चिट, ऑपरेशन सिंदूर पर चुप्पी क्यों?

नई दिल्ली,(ए.)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए उनके राज्यसभा में दिए गए भाषण को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने 97 मिनट के लंबे भाषण में विपक्ष के नेता द्वारा उठाए गए किसी भी ठोस और गंभीर मुद्दे का जवाब नहीं दिया। उन्होंने इसे झूठ का विशाल पुलिंदा करार दिया।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री के भाषण की कड़ी आलोचना की। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे असुरक्षाओं, पूर्वाग्रहों और नफरत से भरे हुए

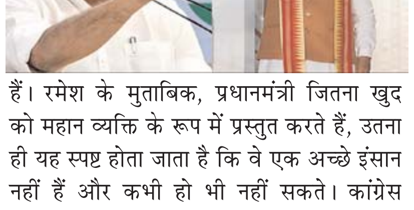

हैं। रमेश के मुताबिक, प्रधानमंत्री जितना खुद को महान व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करते हैं, उतना ही यह स्पष्ट होता जाता है कि वे एक अच्छे इंसान नहीं हैं और कभी हो भी नहीं सकते। कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री के 97 मिनट के भाषण को "दयनीय से भी बदतर" बताते हुए कहा कि वे अपनी ही नफरतों के कैदी बन चुके हैं। रमेश ने आरोप लगाया कि राज्यसभा में विपक्ष के प्रतिनिधि द्वारा उठाए गए किसी भी गंभीर प्रश्न पर प्रधानमंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक ही सीमित रहे।

अपने बयान में जयराम रमेश ने ऑपरेशन सिंदूर का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत और पाकिस्तान के बीच कथित युद्धविराम को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा किए गए दावों पर प्रधानमंत्री पूरी तरह चुप हैं। रमेश ने कहा कि वाशिंगटन डीसी में प्रधानमंत्री के करीबी मित्र 10 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए अमेरिकी हस्तक्षेप की बात बार-बार दोहरा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री इस संवेदनशील मुद्दे पर कोई स्पष्टता नहीं दे रहे।

अखिलेश यादव बोले- पांच फीसदी कमीशन लेने वाला आईएएस गायब, भाजपा ने कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया

लखनऊ (ए.)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जिस भाजपा राज में एसपी फरार हो गया हो और एक ऐसा आईएएस भी जो निवेश के नाम पर पांच फीसदी एडवांस लेता था, वह भी गायब है तो किसी अन्य गुमशुदा का कौन ढूंढ सकता है।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। हत्या, लूट, बलात्कार, ठगी, अपहरण की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। कानून व्यवस्था पर सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ में ही हर दिन अपराध की कई घटनाएं हो रही हैं। पूरे प्रदेश की हालत बेहद खराब है। हाथरस में एनएच 93 पर बदमाशों ने सेना के जवान अखिलेश चौधरी को दिनदहाड़े गोलियों से छलनी कर दिया। राजधानी के सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र में थार सवार बदमाशों ने युवक को अगवा कर लूट लिया। गोमती नगर में बाइक सवार बदमाशों ने महिला का पर्स लूट लिया। पिछले दो साल में उत्तर प्रदेश में 1.08 लाख लोग गायब हो चुके हैं। इनकी गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज हैं लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल रही है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीं है।

चाहत पांडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम, हसरतें सीजन 3 में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल

भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। सीरीज के नए एपिसोड नया किराएदार में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीडन् और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है।

जैसे-जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने।

यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है।

चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है।

चाहत ने आगे कहा, स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है।

किसी नए म्यूजिक प्रोजेक्ट पर काम कर रही अक्षरा सिंह

मुंबई (ए.)। हाल ही में इंस्टाग्राम पर भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह कंडेसर माइक्रोफोन के सामने हाथ में कप लिए खड़ी नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, रोज थोड़ा बेहतर बनने और सीखने की कोशिश। इस पोस्ट को देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि अभिनेत्री किसी नए गाने या म्यूजिक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की उन कलाकारों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी एक्टिंग और गायिकी से लाखों दिल जीते हैं।

हाल ही में उनका गाना बालम जी रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। कहा जाता है कि उनके माता-पिता भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे, जिससे अक्षरा ने इस क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने साल 2010 में रवि किशन के साथ फिल्म सत्यमेव जयते से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह तबादला, सरकार राज और सत्या जैसी एक्शन-रोमांस फिल्मों के लिए जानी गईं। अक्षरा टीवी इंडस्ट्री में भी सक्रिय रही हैं और उन्होंने बिग बॉस ओटीटी, सर्विस वाली बहू, पोरस और काला टीका जैसे शो में काम किया है। अभिनेत्री जल्द ही निरहुआ के साथ फिल्म सात फेरे चार वचन और अम्बे है मेरी मां में नजर आएंगी।

दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है और जल्द ही ट्रेलर रिलीज होने वाला है, हालांकि फिल्म की रिलीज़ डेट अभी सामने नहीं आई है। इसके अलावा अक्षरा अपनी निजी जिंदगी और विवादों के कारण भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। अब फैंस उनकी अगली फिल्म और नए गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि अभिनेत्री अक्षरा सिंह सोशल मीडिया और अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। उनके फैंस हर पोस्ट को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं और उनकी एक झलक भी दर्शकों को नए प्रोजेक्ट का अंदाजा दे देती है।

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिसः सनी देओल की फिल्म वर्ल्डवाइड 400 करोड़ के पार, घरेलू कलेक्शन 319.98 करोड़ कांतारा और टाइगर 3 का टूटा रिकॉर्ड

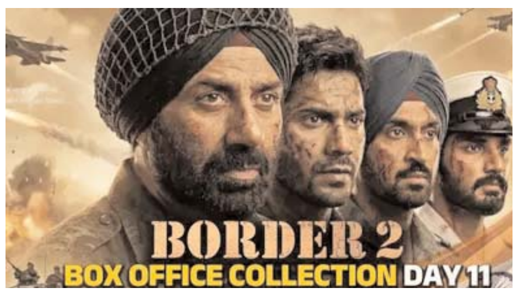

बॉर्डर 2 आज अपनी रिलीज का दूसरा हफ्ता पूरा करने जा रही है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है और यह अभी तक जारी है. बॉर्डर 2 बीती 23 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हुई थी और शानदार ओपनिंग के साथ कई रिकॉर्ड भी बनाए थे. अब सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म ने वर्ल्डवाइड कमाई से कई फिल्मों को पछाड़ कर सबसे कमाऊ इंडियन फिल्मों की लिस्ट में खुद को ऊपर खिसका लिया है. चलिए जानते हैं. फिल्म बॉर्डर 2 ने 13वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है और इन 13 दिनों में इसने वर्ल्डवाइड कितनी कमाई की है।

बॉर्डर 2 की घरेलू कमाई में 13वें दिन थोड़ी गिरावट आई और फिल्म ने 4.88 करोड़ रुपये कमाए. 12वें दिन कमाई में हल्का उछाल देखा गया था. फिल्म ने 12वें दिन 6.69 करोड़ रुपये की कमाई की थी. वहीं, बॉर्डर 2 ने 11वें दिन भारत में 6.52 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. जबकि फिल्म ने बीते रविवार 24.22 करोड़ रुपये कमाए थे. फिल्म का 13 दिनों का कुल घरेलू कलेक्शन 319.98 करोड़ रुपये हो चुका है और फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 400 करोड़ रुपये को क्रॉस कर चुका है. फिल्म ने वर्ल्डवाइड 411 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है।

बॉर्डर 2 ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. बॉर्डर 2 ने भारत में 375.12 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है और भारत में सबसे कमाऊ 50 फिल्मों की लिस्ट में वह 30वें नंबर पर है। इसमें उसने धूम 3, कांतारा, टाइगर 3, देवरा पार्ट 1, आदिपुरुष, कूली और साहो जैसे बड़े स्टार्स की फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. वहीं, बॉर्डर 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 411.76 करोड़ रुपये हो गया है और फिल्म 40वें नंबर पर है. इस लिस्ट में फिल्म ने कांतारा, 3 इडियट्स, चेन्नई एक्सप्रेस, कृष 3, आदिपुरुष, सिंघम अगेन का पीछे छोड़ दिया है।

बता दें, हाल ही में, बॉर्डर 3 का भी ऐलान किया गया है. फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता ने बॉर्डर 3 की गुडन्यूज फैंस को दी थी और अब फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार है. वहीं, बॉर्डर 2 की बात करें तो इसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह लीड रोल में हैं. फिल्म में अक्षय खन्ना का भी कैमियो दिखाया जा रहा है।

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है, मेधा राणा ने जिंदगी में आए बदलाव को किया साझा

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 के जरिए चर्चा में आई

अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। मेधा राणा ने कहा, साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढने् में बाधा भी बनते थे।

उन्होंने कहा, जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।

मेधा ने कहा, मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है।

मेधा राणा ने कहा, फिल्म बॉर्डर 2 मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। बॉर्डर 2 के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।

उन्होंने कहा, अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

चिरंजीवी की फिल्म मन शंकर वर प्रसाद गारु ने हासिल की ऐतिहासिक सफलता, 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 375 करोड़ की कमाई की

चिरंजीवी की माना शंकरा वरा प्रसाद गारू एक बहुत बड़ी बॉक्स ऑफिस सक्सेस बनकर उभरी है, जो रीजनल इंडस्ट्री की ऑल टाइम हिट बन गई है। फिल्म ने सिर्फ 25 दिनों में दुनिया भर में कुल 375 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे यह चिरंजीवी के साथ-साथ रीजनल सिनेमा की भी सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई है। यह उपलब्धि कमाल की है, खासकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों मार्केट में फिल्म के ज़बरदस्त परफॉर्मेंस को देखते हुए, जिसने तीसरे और चौथे हफ़्ते में भी लगातार कलेक्शन बनाए रखा।

इस फिल्म में नयनतारा, वेंकटेश एक एक्सटेंडेड कैमियो में और दूसरे जाने-माने कलाकार हैं, जिसे साहू गरापति और सुष्मिता कोनिडेला ने शाइन स्क्रीन्स और गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस किया है। भीम्स सेसिरोलियो ने म्यूज़िक दिया है। माना शंकरा वरा प्रसाद गारू की सफलता का श्रेय इसकी दिल को छू लेने वाली फैमिली एंटरटेनर कहानी को जाता है, जिसमें हाई ऑक्टेन मास एलिमेंट हैं, जो मेगास्टार के लिए एकदम सही हैं। माना शंकर वर प्रसाद गारू ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, 25 दिनों में 375 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने पहले दिन 65 करोड़ रुपये कमाए, जिसमें से 44.75 करोड़ रुपये भारत से और 2.3 मिलियन अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों से आए। पहले सात दिनों के बाद, इसने दुनिया भर में 292 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह एक सर्टिफाइड ब्लॉकबस्टर बन गई।

रोजाना सुबह 9 बजे से पहले कर लें ये 5 काम, सारा दिन बने रहेंगे ऊर्जावान

सुबह का समय एक नई शुरुआत का प्रतीक होता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका दिन सफल और उत्पादक रहे तो सुबह जल्दी उठने की आदत डालें। उठने के बाद आपको कुछ ऐसा काम करने चाहिए, जो आपको सारा दिन ऊर्जावान बनाए रखें। ये काम न सिर्फ आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगे, बल्कि आपको पूरे दिन तारोताजा महसूस करवाएंगे। रोजाना सुबह 9 बजे से पहले ये 5 काम करने से आपकी उत्पादकता बढ़ेगी।

ध्यान लगाएं

ध्यान लगाना अपने मन को शांत रखने का एक बहुत ही अच्छा तरीका है। यह न केवल तनाव कम करता है, बल्कि एकाग्रता क्षमता को भी बढ़ाता है। सुबह 5-10 मिनट तक ध्यान लगाने से आपका मन तरोताजा रह सकता है और आप पूरे दिन बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके साथ आप हल्का संगीत भी सुन सकते हैं, जिससे आपका मूड सुबह से ही अच्छा हो जाएगा और आपको पूरे दिन चिड़चिड़ाहट महसूस नहीं होगी।

पानी पिएं

सुबह उठते ही सबसे पहले एक गिलास पानी पीना चाहिए। यह आपके शरीर को तरोताजा करता है और पाचन तंत्र को सक्रिय करता है। पानी पीने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और आप हाइड्रेटेड महसूस करते हैं। इसके अलावा यह त्वचा को भी निखारता है और शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत करता है। आप चाहें तो गर्म

पानी का भी सेवन कर सकते हैं, जो वजन घटाने में भी मददगार होगा।

एक्सरसाइज करें

सुबह-सुबह हल्की एक्सरसाइज करना फायदेमंद साबित होता है। इससे शरीर सक्रिय हो जाता है और मस्तिष्क भी तरोताजा महसूस करता है। आप योग या स्ट्रेचिंग कर सकते हैं और थोड़ी देर सैर पर जा सकते हैं। इससे शरीर का रक्त संचार बेहतर होता है और आप पूरे दिन ऊर्जावान बने रह सकते हैं। इसके अलावा यह आदत मानसिक शांति भी देती है और तनाव को कम करती है। नियमित एक्सरसाइज से आपकी सेहत में सुधार आएगा और आलस कम होगा।

नाश्ता करें

नाश्ता दिन का सबसे जरूरी भोजन माना जाता है। इससे शरीर को पूरे दिन के लिए जरूरी ऊर्जा मिलती है और चयापचय बेहतर रहता है। नाश्ते में फल, दलिया या पोहा जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें, ताकि आपका शरीर जरूरी पोषक तत्व प्राप्त कर सके। कभी भी नाश्ता स्किप करने की गलती न करें, नहीं तो आपको पूरे दिन थकान महसूस होती रहेगी। अगर समय कम हो तो केवल एक गिलास स्मूदी ही पी लें।

अपनी प्राथमिकताएं तय करें

सुबह-सुबह ही अपनी दिनभर की प्राथमिकताएं तय कर लें। इससे आपको पता रहेगा कि कौन-सा काम पहले करना जरूरी है और कौन-सा बाद में। इससे आपका समय बर्बाद नहीं होगा और आप ज्यादा उत्पादक रहेंगे। आप एक सूची बना सकते हैं या अपने मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं, ताकि सब कुछ व्यवस्थित रहे। इस आदत से आपका दिन सफल और संतुलित रहेगा, जिससे आप अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर सकेंगे।

कमर के दर्द से परेशान हैं? इन 5 घरेलू उपायों को आजमाएं

कमर में दर्द होना एक आम समस्या है, लेकिन इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। यह दर्द कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि गलत तरीके से बैठना, भारी सामान उठाना या शारीरिक गतिविधियों की कमी होना। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और असरदार घरेलू उपाय बताएंगे, जिनसे आप अपने कमर के दर्द को कम कर सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपने जीवन में आराम ला सकते हैं।

गर्म सिकाई करें

गर्म सिकाई करना कमर के दर्द को कम करने का एक आसान और असरदार तरीका है। इसके लिए आप एक गर्म पानी की बोतल या फिर एक तौलिये को गर्म पानी में भिगोकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे प्रभावित जगह पर 15-20 मिनट तक रखें। यह मांसपेशियों को आराम देता है और खून का बहाव बढ़ाता है, जिससे दर्द में राहत मिलती है। गर्म सिकाई से सूजन भी कम होती है और आपको जल्दी आराम मिलता है।

हल्दी का सेवन करें

हल्दी में एक खास तत्व होता है, जो सूजन को कम करने वाले गुणों से भरपूर होता है। यह गुण कमर के दर्द को कम करने में मदद करता है। रोजाना एक गिलास दूध में एक चम्मच हल्दी मिलाकर पीने से शरीर की सूजन कम होती है और दर्द में आराम मिलता है। इसके अलावा हल्दी का सेवन शरीर की सुरक्षा को भी बढ़ाता है, जिससे आप स्वस्थ रहते हैं और कई बीमारियों से बचाव होता है।

तुलसी की चाय पिएं

तुलसी की चाय में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद गुण दर्द कम करने में सहायक होते हैं और आपको आराम पहुंचाते हैं। रोजाना एक कप तुलसी की चाय पीने से न केवल आपका दर्द कम होगा बल्कि आपकी शरीर की सुरक्षा भी मजबूत होगी। इसके अलावा तुलसी की चाय पीने से मानसिक तनाव भी कम होता है, जिससे आपको मानसिक शांति मिलती है।

योग और स्ट्रेचिंग करें

योग और स्ट्रेचिंग कमर के दर्द को कम करने का एक प्राकृतिक तरीका है। रोजाना कुछ मिनट योगाभ्यास करने से मांसपेशियों में लचीलापन आता है और खून का बहाव बढ़ता है, जिससे दर्द में राहत मिलती है। इसके अलावा योग करने से मानसिक शांति भी मिलती है और तनाव कम होता है। स्ट्रेचिंग करने से शरीर की मांसपेशियां ढीली होती हैं और दर्द में आराम मिलता है।

सही मुद्रा में बैठें और उठें

गलत तरीके से बैठना और उठना कमर के दर्द का मुख्य कारण हो सकता है। हमेशा सीधे बैठें और उठते समय घुटनों को मोड़कर खड़े हों, न कि कमर को मोड़कर। इससे आपकी कमर पर दबाव नहीं पड़ेगा और दर्द कम होगा। सही तरीके से बैठने और उठने से आपकी मांसपेशियां सही तरीके से काम करती हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी कमर के दर्द को कम कर सकते हैं।

ईरान को लेकर ट्रंप प्रशासन असमंजस में, बातचीत और सैन्य दबाव साथ-साथ जारी

तेहरान (ए.)। तनावपूर्ण माहौल के बीच अमेरिका और ईरान के रिश्तों में फिर हलचल तेज हो गई है। बता दें कि जब दोनों देशों के अधिकारी युद्ध टालने के प्रयास में बातचीत कर रहे थे, उसी दौरान ट्रंप प्रशासन के भीतर यह साफ नहीं था कि अगर सैन्य कार्रवाई होती है तो उसका असली मकसद क्या होगा। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि ईरान के खिलाफ किसी संभावित हमले से वह क्या हासिल करना चाहते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने हाल के बयानों में ईरान में सत्ता परिवर्तन की संभावना से इनकार नहीं किया है, लेकिन मौजूद जानकारी के अनुसार प्रशासन के भीतर न तो कोई स्पष्ट रोडमैप है और न ही इस बात पर सहमति कि सैन्य कार्रवाई के बाद अमेरिका की भूमिका क्या होगी। खुद ट्रंप ने एक टीवी इंटरव्यू में ईरान के सर्वोच्च नेता को लेकर कहा था कि उन्हें बेहद चिंतित होना चाहिए, जिससे बयानबाजी और तेज हो गई। ट्रंप का दावा है कि जून में अमेरिकी हमलों के बाद भी ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा खड़ा करने की कोशिश कर रहा था। उनके मुताबिक अमेरिका को नए परमाणु ठिकाने की जानकारी मिल गई थी और ईरान को सख्त चेतावनी दी गई थी। हालांकि ट्रंप ने अब तक सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनका लक्ष्य ईरानी शासन को गिराना है, उसे कमजोर करना है या केवल परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर नई पाबंदियां लगवाना है। इसी बीच विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने साफ किया कि अमेरिका केवल परमाणु मुद्दे तक सीमित बातचीत नहीं चाहता। उनका कहना है कि बैलिस्टिक मिसाइलों की रेंज, क्षेत्र में ईरान के समर्थित गुटों और देश के भीतर मानवाधिकार हालात पर भी चर्चा जरूरी है। हालांकि ईरान लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है और वह मिसाइल क्षमता या क्षेत्रीय समर्थन पर कोई बातचीत नहीं करेगा। शुक्रवार को ओमान की मध्यस्थता में मस्कट में अप्रत्यक्ष बातचीत हुई, जहां ओमानी विदेश मंत्री ने अलग-अलग ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधियों से मुलाकात की। ईरान ने इन वार्ताओं को सिर्फ परमाणु मुद्दे तक सीमित बताया है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति के पास कई विकल्प हैं, लेकिन उन्हें सार्वजनिक करना उनकी रणनीति का हिस्सा नहीं है। पिछले कुछ हफ्तों में ट्रंप के रुख में लगातार बदलाव देखने को मिला है। पहले उन्होंने ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के समर्थन में सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी, फिर दावा किया कि ईरान ने दमन रोक दिया है और अब बातचीत का रास्ता अपनाया जा रहा है।

भारत पर कम टैरिफ से घबराया बांग्लादेश, अब ट्रंप के साथ यूनुस करने जा रहे 'सीक्रेट' डील

ढाका (ए.)। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद बांग्लादेश में चिंता बढ़ गई है। ताजा घटनाक्रम में अमेरिका और बांग्लादेश के बीच 9 फरवरी को एक ट्रेड एग्रीमेंट साइन होने की संभावना है। इस डील की शर्तों को गोपनीय रखे जाने को लेकर बांग्लादेश में आलोचना हो रही है।

खास बात यह है कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने हैं और उससे ठीक पहले इस कथित सीक्रेट डील की चर्चा तेज हो गई है। भारत-अमेरिका ट्रेड एग्रीमेंट के बाद बांग्लादेश ने भी अमेरिका के साथ अपनी डील को जल्दबाजी में अंतिम रूप देने की कोशिश शुरू कर दी है। अमेरिका ने भारतीय सामानों पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है।

बांग्लादेश को आशंका है कि यदि वह अमेरिका से समान या बेहतर शर्तें हासिल नहीं कर पाया, तो उसे भारत के मुकाबले अमेरिकी बाजार में नुकसान उठाना पड़ सकता है। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था काफी हद तक अमेरिका को रेडीमेड गारमेंट (आरएमजी) निर्यात पर निर्भर है, जो उसके कुल अमेरिकी निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत है।

यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है, जब अप्रैल 2025 में अमेरिका ने बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया था। इसके बाद जुलाई में बातचीत के जरिए इसे 35 प्रतिशत और अगस्त में घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया। प्रस्तावित ट्रेड डील के तहत टैरिफ को और कम कर 15 प्रतिशत किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

बलूचिस्तान के खजाने पर खतरा! ट्रंप-शहबाज में हुई सांठगांठ, अमेरिका करेगा 1.3 बिलियन डॉलर का निवेश

इस्लामाबाद/वॉशिंगटन (ए.) ।अमेरिका ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सोना और तांबा खनन परियोजना में लगभग 1.3 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। पाकिस्तान-ईरान सीमा के पास स्थित रेको डिक परियोजना कुल करीब 7 अरब डॉलर की है और इसके 2028 के अंत तक उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है। यह परियोजना कनाडा की खनन कंपनी बैरिक माइनिंग कॉर्प और पाकिस्तानी अधिकारियों की साझेदारी में विकसित की जा रही है। इसमें अमेरिकी निवेश यूनाइटेड स्टेट्स एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक (एक्ज़िम बैंक) के माध्यम से किया जाएगा।

परियोजना में बैरिक की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि शेष 50 प्रतिशत में से 25 प्रतिशत हिस्सेदारी तीन संघीय सरकारी कंपनियों के पास और 25 प्रतिशत हिस्सेदारी बलूचिस्तान सरकार के पास है। सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बनी हुई हैं। बलूचिस्तान में अलगाववादी और जिहादी संगठनों की ओर से लगातार हमले होते रहे हैं, जिससे खदान की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती मानी जा रही है। इसके अलावा, तांबे के कंसंट्रेट को कराची तक ले जाने और फिर विदेश में प्रोसेसिंग के लिए रेलवे ढांचे को उन्नत करने की भी जरूरत होगी।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन और एशियन डेवलपमेंट बैंक समेत अन्य ऋणदाता मिलकर 2.6 अरब डॉलर से अधिक का फाइनेंसिंग पैकेज तैयार कर रहे हैं। रेको डिक परियोजना पाकिस्तान के लिए रणनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है। इस्लामाबाद सरकार इस परियोजना को अपनी खनिज रणनीति को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण मान रही है, जबकि बैरिक माइनिंग इसे अपने सबसे बड़े दीर्घकालिक प्रोजेक्ट्स में से एक के रूप में आगे बढ़ा रही है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने इस निवेश का स्वागत करते हुए इसे पाकिस्तान के खनन क्षेत्र और आर्थिक सुधारों में भरोसे का संकेत बताया है। सरकार को उम्मीद है कि यह परियोजना अपने पूरे जीवनकाल में अरबों डॉलर का राजस्व उत्पन्न करेगी और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे देश के विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

डिएगो गार्सिया पर ट्रंप की दो टूक : सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे ये हमारा अधिकार

वॉशिंगटन,(ए.) । हिंद महासागर के रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण द्वीप डिएगो गार्सिया को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि वे इस द्वीप पर अमेरिकी सेना की मौजूदगी और परिचालन को कभी भी खतरे में नहीं पड़ने देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में कोई समझौता टूटता है या अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा पर आंच आती है, तो उनके पास बेस को सैन्य तरीके से सुरक्षित और मजबूत करने का पूर्ण अधिकार है।

अपने हालिया बयान में राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उन्होंने डिएगो गार्सिया द्वीप के भविष्य को लेकर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ सीधी बातचीत की है। यह द्वीप हिंद महासागर के बीचों-बीच स्थित है और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक अनिवार्य स्तंभ माना जाता है।

रूसी मिलिट्री इंटेलिजेंस के डिप्टी चीफ को घर के बाहर मारीं गोलियां, हमलावर फरार; 'हीरो ऑफ रशिया' रहे हैं जनरल अलेक्सेयेव

मॉस्को (ए.) ।रूस की राजधानी मॉस्को में सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए एक बेहद हाई-प्रोफाइल हमले को अंजाम दिया गया है। रूसी मिलिट्री इंटेलिजेंस (GRU) के डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव को एक अज्ञात हमलावर ने गोलियों से भून दिया है। जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जनरल अलेक्सेयेव को कई गोलियां लगी हैं और उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के दौरान देश की खुफिया एजेंसी के शीर्ष अधिकारी पर हुए इस हमले ने क्रेमलिन तक हड़कंप मचा दिया है।

अपार्टमेंट की लिफ्ट के पास किया गया हमला

प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक, हमलावर ने जनरल अलेक्सेयेव की रेकी की थी और उनके घर के पास घात लगाकर बैठा था। यह जानलेवा हमला उनके अपार्टमेंट भवन के लिफ्ट हॉल या प्रवेश द्वार के पास हुआ।

सूत्रों के अनुसार, हमलावर ने उन्हें बेहद करीब से निशाना बनाया। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि उनकी पीठ में 3 गोलियां मारी गईं, जबकि कुछ अन्य रिपोर्टों में 6 गोलियों का जिक्र है। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। घटनास्थल पर पुलिस और फॉरेंसिक टीमों ने डेरा डाल दिया है और सबूत जुटाए जा रहे हैं। कुछ अफवाहें ऐसी भी हैं कि हमलावर एक महिला हो सकती है, लेकिन आधिकारिक तौर पर अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

'हीरो ऑफ रशिया' और वैगनर विद्रोह में निभाई थी अहम भूमिका

लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव रूसी सैन्य खुफिया तंत्र के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक माने जाते हैं। वह 2011 से मिलिट्री इंटेलिजेंस के पहले डिप्टी हेड के तौर पर काम कर रहे हैं। उनकी सेवाओं और कई सफल अभियानों के लिए उन्हें 2017 में रूस के सर्वोच्च सम्मान 'हीरो ऑफ रशिया' से भी नवाजा जा चुका है। उनकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2023 में जब वैगनर ग्रुप ने बगावत की थी, तब अलेक्सेयेव ने ही वैगनर लड़ाकों से विद्रोह खत्म करने की अपील की थी। वह खुफिया और विशेष सैन्य अभियानों (Special Ops) से सीधे जुड़े रहे हैं।

खेल समाचार

टी20 विश्वकप में आज अमेरिका पर जीत के साथ अपना अभियान शुरु करने उतरेगी भारतीय टीम

शाम 7 बजे से शुरु होगा मैच

मुंबई (ए.)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम शनिवार को यहां टी20 विश्वकप के अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 4-1 से जीत दर्ज की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। भारतीय टीम के पास अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसी आक्रामक जोड़ी हैं। तिलक वर्मा की वापसी से भी टीम की बल्लेबाजी मजबूल हुई है। वहीं टीम की गेंदबाजी अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती पर आधारित रहेगी। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस साल की शुरुआत से ही फार्म में आ गये हैं जिसका भी लाभ टीम को मिलेगा। ईशान किशन ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पिछले कुछ समय में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। ईशान और अभिषेक शर्मा की जोड़ी भारतीय टीम को धमाकेदार शुरआत दे सकती है।

टीम के पास हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे ऑल राउंडर हैं। रिंकू सिंह का फार्म में होना भी टीम के लिए सकारात्मक बात है। गेंदबाजी में बुमराह का साथ देने के लिए अर्शदीप सिंह भी हैं। हर्षित राणा हालांकि चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं रहेंगे। टीम के पास कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है।

भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इसके बाद भी वह अमेरिकी टीम को हल्के में नहीं लेगी। अमेरिकी टीम ने पिछली बार पाकिस्तान हराने के बाद सुपर आठ में भारतीय टीम को भी कड़ी टक्कर दी थी। अमेरिकी टीम ने पिछले साल 9 में से आठ मैच जीते हैं और टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंका में तीन सप्ताह के शिविर में भाग लिया है। ऐसे में उसे कमजोर नहीं माना जा सकता। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। अमेरिकी टीम की कप्तानी भारतीय मूल के मोनांक पटेल के पास है। उन्हें साइतेजा मुक्कमल्ला तथा मिलिंद कुमार से पूरा सहयोग मिला। वहीं गेंदबाजी में सौरभ नेत्रावलकर , हरमीत सिंह जैसे खिलाड़ी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

अमेरिका : मोनांक पटेल (कप्तान/विकेटकीपर), स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, एंड्रीज़ गौस, मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, निश्थुश केनजिगे, सौरभ नेत्रावलकर और अली खान।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका, ये खतरनाक गेंदबाज पूरे टूर्नामेंट से हुआ बाहर

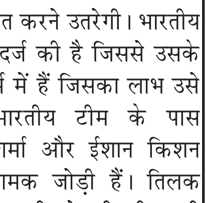

नई दिल्ली (ए.)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले मुकाबले से कुछ घंटे पहले ही टीमों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। चोटों के कारण खिलाड़ियों के बाहर होने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उनके बाहर होने की पुष्टि कर दी है, जबकि रिप्लेसमेंट का ऐलान बाद में किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक दिन पहले यह बड़ा झटका लगा है। हेजलवुड पहले से ही चोट से जूझ रहे थे और उनके बाहर होने की आशंका जताई जा रही थी। हालांकि उन्हें ठीक होने की उम्मीद में टीम में शामिल किया गया था, लेकिन वे पूरी तरह फिट नहीं हो पाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि इससे पहले तेज गेंदबाज और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। इससे टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आने लगा है।

हमारी फ्लाइट बुक है, हमने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना नहीं किया', पड़ोसी मुल्क को सूर्यकुमार यादव का जवाब

मुंबई (ए.)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लीग मुकाबले का बहिष्कार किया है। यह मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार, 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि भारतीय खिलाड़ियों की फ्लाइट बुक है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार नहीं किया है।

भारत और पाकिस्तान को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-ए में रखा गया है, जिसमें इन दोनों देशों के अलावा, नामीबिया, नीदरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) भी हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 भारत और श्रीलंका की सह-मेजबानी में खेला जाना है, जिसमें पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में आयोजित होंगे, लेकिन पाकिस्तान 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में भारत के विरुद्ध अपना तय मेंस टी20 वर्ल्ड कप मैच नहीं खेलेगा, क्योंकि सरकार ने टीम को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए सशर्त मंजूरी दी है।

सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 कैप्टन्स डे प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, हमने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना नहीं किया, बल्कि उन्होंने मना किया है। मुझे लगता है कि मानसिकता काफी साफ है। हमने मैच खेलने से मना नहीं किया है। यह दूसरी तरफ से आया है। आईसीसी ने आधिकारिक शेड्यूल जारी कर दिया है। बीसीसीआई और सरकार ने आईसीसी के साथ मिलकर एक न्यूट्रल वेन्यू तय किया है। हमारी फ्लाइट कोलंबो के लिए बुक है। इसलिए हम निश्चित रूप से जा रहे हैं। टीम में चर्चा हुई है कि हम पहले 7 फरवरी को खेलेंगे, फिर वहां जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत के साथ न खेलने का पाकिस्तान का रुख आईसीसी के टी20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल करने के फैसले के बाद आया है। सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत में खेलने से मना करने के बाद बांग्लादेश को बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने बुधवार को फिर से कहा कि उनकी सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम आगामी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी, जिसकी सह-मेजबानी श्रीलंका और भारत करेंगे।

इससे पहले, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पाकिस्तान सरकार के अपनी क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने के निर्देश देने के फैसले पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा था कि चुनिंदा भागीदारी की यह स्थिति एक ग्लोबल स्पोर्ट्स इवेंट के मूल सिद्धांत के साथ मेल नहीं खाती, जहां सभी क्वालिफाइड टीमों से इवेंट शेड्यूल के अनुसार बराबर शर्तों पर मुकाबला करने की उम्मीद की जाती है।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के साथ मैच नहीं खेलेगा पाकिस्तान, सरकार ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली(ए.)। पाकिस्तानी सरकार ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भाग लेने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस मंजूरी के साथ सरकार ने एक अहम शर्त रखी है। सरकारी आदेश के अनुसार पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में हिस्सा नहीं लेगी। इसका मतलब है कि पाकिस्तान टूर्नामेंट में खेल तो करेगा, लेकिन भारत-पाकिस्तान मुकाबले से दूरी बनाएगा।

गवर्नमेंट ऑफ पाकिस्तान ने इस बारे में आधिकारिक X हैंडल से ट्वीट किया, जिसमें लिखा गया इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भाग लेने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मंजूरी देती है, हालांकि 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ निर्धारित मैच नहीं खेला जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) पर दबाव बनाने और आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईसीसी पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि संस्था बीसीसीआई के प्रभाव में काम कर रही है।

आईसीसी को अभी नहीं मिली आधिकारिक सूचना

सूत्रों के अनुसार, आईसीसी को अभी तक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से इस मामले में कोई लिखित सूचना नहीं मिली है। आईसीसी की तरफ से किसी भी तरह की कार्रवाई या प्रतिबंध तभी तय होगा जब पीसीबी आधिकारिक तौर पर जानकारी देगा।

पीएम शहबाज शरीफ और नकवी की बैठक के बाद फैसला

यह घोषणा उस महत्वपूर्ण बैठक के कुछ ही मिनटों बाद आई, जो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और PCB चेयरमैन मोहसिन नकवी के बीच हुई थी। इससे पहले नकवी ने कहा था कि टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी पर अंतिम फैसला 30 जनवरी या 2 फरवरी तक लिया जाएगा।

मंधाना को डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी के साथ ही मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

वडोदरा (ए.)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दूसरी बार खिताब जीत है। इस जीत के दौरान मंधान ने 87 रनों की आक्रामक पारी खेली जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। आरसीबी ने इससे पहले 2024 में डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता है। आरसीबी को विजेता बनने पर 6 करोड़ का इनाम मिला। वहीं चौथी बार फाइनल में उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ का इनाम मिली। इसके अलावा स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और सोफी डिवाइन को भी पांच-पांच लाख रुपये की इनामी राशि मिली है। मंधाना ने लीग में सबसे अधिक 377 रन बनाये। वहीं सोफी डिवाइन ने 17 विकेट के साथ पर्पल कैप जीती। युवा खिलाड़ी नंदनी शर्मा ने भी 17 विकेट लिए जिसके लिए उस भी उभरती हुई खिलाड़ी का इनाम मिला। सोफी को मोस्ट वेल्युएबल प्लेयर और मोस्ट आईक्यू ऑफ द ईयर का इनाम मिला। नंदनी को साल की ईमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला। मुम्बई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस साल लीग में सबसे ज्यादा छक्के लगाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत पर 6 करोड़ की ईनामी राशि मिली जबकि उपविजेता दिल्ली को 3 करोड़ रुपये मिले।

नर्मदा संरक्षण के लिए लोगों से करेंगे संवाद..............

महाराष्ट्र का नर्मदा अध्ययन दल निकला नर्मदा यात्रा पर

नर्मदाभक्ती के साथ नर्मदा व पर्यावरण संरक्षक के लिए लोगों को जागरुक करना यात्रा का उद्देश्य : पौनीकर

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदाष्टक उपासना मंडल समिति का नर्मदा अध्ययन दल शुक्रवार को सेठानी घाट स्थित तिलक भवन से नर्मदा यात्रा पर रवाना हुआ। यह दल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नर्मदापुर के संगठन मंत्री रहे किशोर पौनीकर के नेतृत्व में महाराष्ट्र से आया है जिसमें 30 से अधिक नर्मदा यात्री शामिल है। शुक्रवार सुबह सभी अध्ययन दल के सदस्यों ने मां नर्मदा का पूजन किया। सामूहिक नर्मदा अष्टक करने के बाद नर्मदापुरम से सभी ने अपनी यात्रा की जो कि डोंगरवाडा, खोकसर, आंवलीघाट बाबरी घाट, चांदवडकुटी, छीपानेर, चिचोड बजरंग कुटी, लछोरा, हरदा, हंडियाएनेमावर सलकनपूर बुदनी से होकर वापस नर्मदापुरम पहुंचेगी। तिलक भवन में सभी अध्ययन दल सदस्यों का स्वागत सम्मान कार्यक्रम हुआ। इस दौरान नपाध्यक्ष नीतू यादव, जिला सहकारी बैंक के पूर्व

अध्यक्ष भरत सिंह राजपूत शशांक हर्णे मीरा ताई ने अध्ययन दल के सदस्यों के समक्ष अपनी बात रखी। नर्मदा अध्ययन दल संयोजक किशोर पौनीकर ने इस यात्रा के उद्देश्य व नर्मदा संरक्षण कार्यक्रम व संवाद कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य नर्मदाभक्ती के माध्यम से सांस्कृतिक, सामाजिक व पर्यावरणीय कार्य और नर्मदा किनारे बसे लोगों से संवाद करना है। कार्यक्रम के दौरान किशोर पौनीकर द्वारा लिखी गई नदीपुरक जीवन पद्धति पुस्तक का विमोचन सभी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीष परदेशी ने किया एवं सभी का आभार विकास नारोलिया द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के अंत में नर्मदा भक्त उमाशंकर चौबे और ऋषिकांत पटवा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विवेक गौर अजय चिंटू शर्मा नंदकिशोर यादव दीपक हेमनानी रूपेश राजपूत सुंदरम अग्रवाल श्रीराम सगर सहित अन्य नगर के नर्मदाभक्तों ने नर्मदा अध्ययन दल के सदस्यों का स्वागत कर रवाना किया।

साहसिक खेलों समेरिटंस विद्यार्थियों ने बिखेरे जलवे

नर्मदापुरम (निप्र)। हाल ही में पचमढ़ी में आयोजित 27 वे साहसिक खेलों में सेमेरिटंस विद्यालय माखन नगर के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और कारनामों से सभी को आकर्षित किया। खेलों में विद्यार्थी तरुण यादव अरहान खान गौरव मेहरा हर्ष यादव शिप्रा मीना भव्या यादव आव्या खान मेघा मोंडल पल्लवी कोल ने रॉक क्लाइम्बिंग पैरा ग्लाइडिंग शूटिंग आदि खेल में शामिल होकर अपनी प्रतिभा से सभी को आश्चर्यचकित किया। स्कूल के विद्यार्थी शाला के खेल शिक्षक जया मालवीय गणेश बिसरे लखन सोनी मनमोहन झिंगारे का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

रबीन्द्र पुस्तकालय शोध एवं अनुसंधान केंद्र पीएचडी करने वालों के लिए वरदान सिद्ध होगा

समाजसेवी गोपीकांत घोष, डॉ हंसा व्यास एवं कमलेश सक्सेना की सार्थक पहल

नर्मदापुरम(निप्र)। समाजसेवी गोपीकांत घोष, डॉ हंसा व्यास एवं कमलेश सक्सेना की सार्थक पहल रंग लाई है। जिससे नर्मदापुरम संभाग मुख्यालय पर एक ऐसा वातावरण तैयार हो रहा है कि पीएचडी करने वाले इच्छुक विद्यार्थियों को बहुत लाभ मिलेगा। नर्मदा चेतना संस्थान के वरिष्ठ समाजसेवी गोपीकांत घोष लंबे अरसे से यह विचार बना रहे थे कि उनके पास जो पुस्तकें हैं वह पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों के काम आ सके। उन्होंने लाइब्रेरी बनाने के लिए अनेक स्थान देखे लेकिन कहीं उन्हें उचित स्थान नजर नहीं आया। आखिरकार उनके मित्र कमलेश सक्सेना से उन्होंने अपनी दिली इच्छा व्यक्त करते हुए अपना प्लान बताया श्री सक्सेना सहर्ष तैयार हो गए मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित उनके निवास पर रिक्त भूमि पर उन्होंने एक सुंदर आकर्षक भवन तैयार करवा दिया। जिसे पुस्तकालय का स्वरूप दिया गया। श्री घोष ने उन्हें उनके पास की बहुत सारी पुस्तकें तथा कुछ अलमारियां प्रदान की। भवन तैयार होने पर जैसे ही ज्ञात हुआ कि उज्जैन

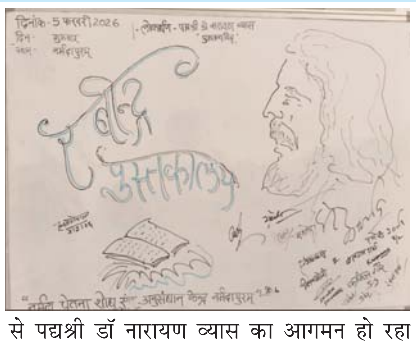

से पद्मश्री डॉ नारायण व्यास का आगमन हो रहा है। इस मौके का लाभ उठाते हुए डॉ हंसा व्यास,श्री सक्सेना व श्री घोष ने पुस्तकालय के शुभारंभ करने का निश्चय किया। अल्प समय में ही अपने कुछ परिजनों, परिचितों को सूचना दी। पुरातत्वविद डॉ व्यास के मुख्यातिथ्य में रबीन्द्र पुस्तकालय शोध एवं अनुसंधान केंद्र का शुभारंभ हो गया जो पीएचडी करने वालों के लिए वरदान सिद्ध होगा। श्री सक्सेना ने बताया कि इस केंद्र पर विद्यार्थियों के ठहरने की भी व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि ई-लाइब्रेरी का आधार अधूरा चलन शुरू हुआ है। जिसमें बाईफाई की सुविधा देकर विद्यार्थियों को उतनी सुविधा नहीं मिल पाती है जितनी उन्हें चाहिए। बिना रिफरेंस बुक के विद्यार्थियों में भटकाव आ जाता है। उन्होंने बताया कि यहां पर नर्मदा घाटी से संबंधित शोध के लिए कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा। श्री सक्सेना ने बताया कि श्री घोष के चाचा डा रबीन्द्र नाथ घोष बहुत विद्धान व्यक्तित्व के धनी थे। देश के अनेक महानगरों हैदराबाद सहित अन्य अनेक शहरों में अध्यापन करते रहे। विदेशों में भी जाते थे। उनके समय की अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें श्री घोष के निवास पर उपलब्ध रही। जो इस पुस्तकालय में उपलब्ध रहेंगी। केंद्र के शुभारंभ अवसर पर नर्मदा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ केजी मिश्र, आईटीआई से सेवानिवृत्त डॉ संतोष व्यास, वरिष्ठ नागरिक खेमचंद यादवेश, पत्रकार बलराम शर्मा, डॉ कल्पना जी, पीएचडी करने वाले अनेक विद्यार्थियों में अंकिता सोनी, कपिल गौर, हेमंत शर्मा, अंकित, सुमेर, शिवम शिवहरे सहित अनेक लोग शामिल रहे।

केंद्रीय बजट पर आलोक शर्मा पत्रकारों से आज करेंगे चर्चा

नर्मदापुरम (निप्र)। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर हर जिले में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया जा रहा है। नर्मदापुरम में भोपाल सांसद आलोक शर्मा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला प्रेस वार्ता को संबोधित करेंगे। मीडिया प्रभारी अमित महाला ने बताया कि शनिवार को दोपहर एक बजे भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा की जाएगी।

राहवीर योजना का हो व्यापक प्रसार, ब्लैकस्पॉट हटाने के लिए निर्माण विभागों द्वारा की जाए आवश्यक कार्यवाही : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने हेतु संबंधित विभागों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि हाईवे एवं अन्य प्रमुख मार्गों पर चिन्हित किए गए अतिक्रमण को सख्ती से हटाया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि विभिन्न विभागों द्वारा अतिक्रमण हटाने हेतु नोटिस जारी कर की गई कार्यवाही की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। कलेक्टर ने जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट के सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां आवश्यकता हो वहां अंडर पास निर्माण, रंबल स्ट्रिप, स्पीड ब्रेकर अथवा अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही उन्होंने लोक निर्माण विभाग को लोक पथ एप का जनसामान्य के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिक सड़क सुरक्षा एवं मरम्मतीकरण से जुड़े इस बहुउपयोगी एप की जानकारी प्राप्त कर सकें। बैठक में कलेक्टर ने नियमित चेकिंग के माध्यम से वाहनों को सही लेन में चलाने हेतु निरंतर जागरूकता प्रसारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने रहवीर योजना के संबंध में नियमित जन-जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए, जिससे गोल्डन आवर के दौरान सड़क दुर्घटना पीड़ितों को शीघ्र नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर उपचार मिल सके और जनहानि में कमी लाई जा सके।

नवगीत समारोह सम्पन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। हिन्दी साहित्य में काव्य विधा की अभिनव शैली नवगीत पर केंद्रित नवगीत समारोह मानसविद् डॉ वैभव शर्मा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। शिव संकल्प साहित्य परिषद् और मनु.तुलसी मंच के सहयोजन में समारोह का आयोजन नवगीत नमामि मित्र मंडल द्वारा किया गया। प्रतिष्ठित नवगीतकार प्रदीप दुबे ने नवगीत के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए नवगीतकार स्व डॉ विनोद निगम के अवदान की चर्चा करते हुए पं गिरिमोहन गुरु के नवगीतों पर समीक्षक डॉ एकृष्णगोपाल मिश्र के आलेख का वाचन किया। कवि बाबूलाल कदम ने कृतिकार प्रदीप दुबे दीप के नवगीतों धर समीक्षात्मक आलेख का वाचन किया। दोनों नवगीतकारों ने अपने प्रतिनिधि नवगीत प्रस्तुत किये जिन्हें सुधी श्रोताओं ने मुक्त कंठ से सराहा। द्वितीय चरण में अध्यक्ष नित्यगोपाल कटारे श्रीमती रेखा कापसे खेमचंद यादवेश एलएस राजोरिया मनोज परसाई,रामसेवक शर्मा, प्रमोद शर्मा एवं संचालन कर रहे बाबूलाल कदम ने काव्यपाठ किया। श्री गुरु ने आभार ज्ञापित किया।

रोमांचक मुकाबले में सीहोर रेड ने सीहोर मिनी को 1-0 से हराया

सीहोर(निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर संस्कार मंच और जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में होने वाली जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के लिए सात दिवसीय फुटबाल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। शुक्रवार की शाम को दो मैच खेले गए थे। इसमें पहला मैच सीहोर रेड ने सीहोर मिनी को 1-0 से हराया। इसके अलावा एक अन्य मुकाबला सीहोर क्लब और सीहोर चिल्ड्रन के मध्य खेला गया था, जिसमें सीहोर चिल्ड्रन की टीम 2-0 से जीती। इस मौके पर संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी और एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया अन्य ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न

नर्मदापुरम(निप्र)। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की जिला स्तरीय बैठक शुक्रवार को कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में एसपी श्री साई कृष्ण एस थोटा, अपर कलेक्टर श्री अनिल जैन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री नागवंशी सहित समिति से जुड़े समस्त संबंधित अधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं समिति के सदस्य सचिव द्वारा निर्धारित एजेण्डा के अनुसार बिन्दुवार जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई।

नशे मुक्ति के लिए व्यापक स्तर पर किया जाए जन जागरुकता का प्रसार : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

>>> कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एन- कॉर्ड समिति की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम(निप्र)। शुक्रवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एन-कॉर्ड समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा, अपर कलेक्टर अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती नीता कोरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में मादक पदार्थों को तस्करी, नशे की रोकथाम के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम, जिले में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों के पर्यवेक्षण के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई.

एन-कॉर्ड समिति की बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में नशा मुक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि नशा मुक्ति केंद्रों का नियमित एवं सतत रूप से भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाए तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं, उपचार एवं परामर्श व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर स्थानीय निकाय, जनपद, तहसील, सामाजिक न्याय विभाग सहित अन्य आवश्यक विभागों के प्रतिनिधियों को सम्मिलित करते हुए समर्पित टीम का गठन किया जाए एवं टीम द्वारा जिले में व्यापक स्तर पर नशा मुक्ति को लेकर जन जागरूकता अभियान संचालित किया जाए। साथ ही जिले में संचालित नशा मुक्ति केंद्रों का भी उक्त टीम द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाएगा। इन केंद्रों पर काउंसलर अथवा उनके समकक्ष किसी योग्य व्यक्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी कलेक्टर द्वारा दिए गए।

कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिए कि शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास नशे से होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। स्कूलों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप स्कूल परिसर के समीप कहीं भी तंबाकू उत्पादों की बिक्री न हो। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने ड्रग इंस्पेक्टर को निर्देश दिए कि दवा दुकानों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी प्रकार की निषिद्ध दवाओं का विक्रय डॉक्टर के वैध प्रिस्क्रिप्शन के बिना न हो।

रबी विपणन वर्ष 2026-27

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु

किसान पंजीयन कार्य 07 फरवरी से 07 मार्च 2026 तक

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु किसान पंजीयन का कार्य 07 फरवरी 2026 से 07 मार्च 2026 तक किया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायत कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय, तहसील कार्यालय, सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केंद्रों पर निःशुल्क पंजीयन की व्यवस्था की गई है।

किसान पंजीयन के लिए ई-उपार्जन पोर्टल (http://mpeu-parjan.nic.in) पर ऑनलाइन पंजीयन किया जा सकता है। इसके अलावा, एम.पी. किसान एप्प पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है।

प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर सचिव/रोजगार सहायक तथा जनपद पंचायत/तहसील कार्यालयों में तकनीकी रूप से दक्ष कर्मचारी की सुविधा केंद्र में ड्यूटी लगाकर किसान पंजीयन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इससे किसानों को पंजीयन के संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी।

बिजली चोरी के सूचनाकर्ता को मिलेगा 50 हजार रुपए तक का ईनाम

पारितोषिक की पांच फीसदी राशि अथवा 25 हजार रूपए का तुरंत भुगतान

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर अधिकतम 50 हजार रूपए का ईनाम दिया जाएगा। इसमें से 5 प्रतिशत राशि जिसकी अधिकतम सीमा 25 हजार रूपए तुरंत तथा शेष 5 प्रतिशत राशि जिसकी अधिकतम सीमा 25 हजार रूपए इस तरह से कुल प्रोत्साहन राशि 10 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 हजार रूपए का भुगतान पूर्ण वसूली उपरांत किया जाएगा।

कंपनी ने कहा है कि प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को दी जाने वाली 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि में से योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार पांच प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा तथा बाकि पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत किया जा रहा है। कंपनी ने बताया कि इस योजना में 01 अप्रैल 2025 से अब तक 167 सफल सूचनाकर्ताओं को 02 लाख 06 हजार हजार रुपये सीधे उनके बैंक खाते में जमा कराए गए हैं। इसके साथ ही जांच एवं वसूली की कार्यवाही करने वाले संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को भी 3000 रुपये प्रोत्साहन राशि का भुगतान उनके मासिक वेतन में जोड़कर किया गया है।

न्याय, सुरक्षा और स्वाभिमान की यात्रा है यह बजट : राज्यसभा में बोलीं सांसद माया नारोलिया

नर्मदापुरम(निप्र)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने मोदी सरकार की नीतियों का पुरजोर समर्थन करते हुए एक महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सरकार केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सपनों के %नूतन भारत% का पुनर्निर्माण कर रही है।

सांसद नारोलिया ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2026 भारत की विकास यात्रा का वह स्वर्णिम कालखंड है, जहाँ देश अपनी पुरानी बेड़ियों को तोड़कर आत्मनिर्भर होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इसे अमृत काल का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कहा कि आज का भारत अपनी विरासत पर गर्व भी करता है और आधुनिकता को गले

भी लगाता है।

गरीब का उत्थान से लेकर राष्ट्र के सम्मान तक सभी के सर्वांगीण विकास हेतु 4 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के मकान देकर उनके सिर पर सम्मान की छत दी गई है। हर घर जल के माध्यम से 12.5 करोड़ परिवारों तक नल से जल पहुँचाकर माताओं-बहनों के जीवन से पानी का संघर्ष समाप्त किया गया है। धुआँ मुक्त रसोई हेतु उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन देकर करोड़ों महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा की गई है।

"यह न्याय और सम्मान की यात्रा है"

एक महिला सांसद के रूप में भावुक होते हुए श्रीमती नारोलिया ने कहा, "यह विकास केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि उन करोड़ों चेहरों की मुस्कान में है जो अंतिम पंक्ति में खड़े थे। चाहे वह जनजातीय समाज का बच्चा हो, सीमा पर खड़ा जवान हो या खेत में पसीना बहाता किसान—मोदी सरकार की योजनाओं ने हर घर में खुशहाली का दीपक जलाया है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 2026 का यह बजट और सरकार की दूरगामी नीतियां भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com